सब का सपना

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र

भाजपा के स्थापना दिवस पर केशोपुर सठला में ग्राम .... पेज: 6

क्या फिल्में छोड़कर बिजनेसमैन से शादी करने वाली ..... पेज: 8

वर्ष : 02 | अंक : 12 | सोमवार 13 अप्रैल 2026 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 2 रुपए

पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी का दावा, बोलीं- देश का सबसे बड़ा घोटाला है एसआईआर

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने रविवार को भाजपा पर चुनावों से पहले मतदाताओं को रिश्वत देने का आरोप लगाया। इसके साथ ही उन्होंने बंगाल चुनाव से पहले मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को हालिया समय का देश का सबसे बड़ा घोटाला बताया। पूर्वी बर्धवान जिले के खंडाघोष में एक रैली को संबोधित करते हुए ममता बनर्जी ने दावा किया कि अगर भाजपा राज्य में सत्ता में आई तो वह पश्चिम बंगाल के लोगों से सब कुछ छीन लेगी। उन्होंने कहा कि भाजपा चुनावों से पहले मतदाताओं को रिश्वत देती है। लेकिन वे मतदान खत्म होने के तुरंत बाद अपने वादे भूल जाते हैं। यह बिहार चुनावों में देखा गया था।

तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) प्रमुख ने आगे आरोप लगाया कि भाजपा चुनाव जीतने के लिए मतदान प्रक्रिया में हेरफेर करने की कोशिश करेगी। उन्होंने लोगों से सतर्क रहने और मतदान मशीनों पर नजर रखने का आग्रह किया। ममता बनर्जी ने कहा कि मतदान मशीनों के बारे में सतर्क रहें। भाजपा ने धीमी वोटिंग और धीमी मतगणना की योजना बनाई है। उनकी सभी योजनाओं को असफल करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि एसआईआर हाल के समय में देश द्वारा देखा गया सबसे बड़ा घोटाला है। उन्होंने यह भी भविष्यवाणी की कि केंद्र में भाजपा सरकार 2026 में गिर जाएगी। उन्होंने कहा कि दुनिया जानती है कि आपकी सरकार 2026 में गिर जाएगी। हम तब आपकी सरकार द्वारा लाए गए सभी जन-विरोधी कानूनों को रद्द कर देंगे।

हुमायूं कबीर के वायरल वीडियो के सहारे लगाए आरोप

ममता बनर्जी ने भाजपा पर पश्चिम बंगाल की सत्ता से टीएमसी को बेदखल करने के लिए 1,000 करोड़ रुपये के सौदे का आरोप लगाया है। उन्होंने यह आरोप एक वायरल वीडियो का

हवाला देते हुए लगाया, जिसमें आम आदमी उन्नयन पार्टी (एजेयूपी) के प्रमुख हुमायूं कबीर कथित तौर पर भाजपा नेताओं के साथ संपर्क में होने और अल्पसंख्यक वोटों को बांटकर टीएमसी को हराने के लिए 1,000 करोड़ रुपये के सौदे की अग्रिम राशि के तौर पर 200 करोड़ रुपये प्राप्त करने की बात कह रहे हैं। यह वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हुआ है। हालांकि, इस वीडियो की प्रामाणिकता की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं की जा सकी है। ममता बनर्जी ने बांकुड़ा जिले के ओंडा में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कहा कि उन्होंने (भाजपा) पश्चिम बंगाल में टीएमसी को सत्ता से बेदखल करने के लिए 1,000 करोड़ रुपये का सौदा किया है।

गाने पर झूमी टीएमसी सांसद, भड़की भाजपा ने कहा– ये हिंदुओं के भावना से खिलवाड़

कोलकाता। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 की सरगर्मियों के बीच तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की सांसद और अभिनेत्री सायोनी घोष एक बार फिर बड़े राजनीतिक विवाद के केंद्र में आ गई हैं। सोशल मीडिया पर सायोनी का एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें वह एक सार्वजनिक मंच पर काबा इन माई हार्ट एंड मदीना इन माई आईज (मेरे दिल में काबा और मेरी आंखों में मदीना) गीत पर झूमती और गाती नजर आ रही हैं। इस वीडियो के सामने आते ही भारतीय जनता पार्टी ने टीएमसी पर हिंदू विरोधी होने का आरोप लगाते हुए इसे बंगाल के हिंदुओं की भावनाओं के साथ खिलवाड़ करार दिया है। सायोनी घोष के लिए विवादों से नाता कोई नई बात नहीं है। भाजपा नेताओं ने इस वायरल वीडियो के साथ उनके उस पुराने विवादित ट्वीट को भी चर्चा में ला दिया है, जिसमें उन्होंने शिवलिंग को लेकर कथित तौर पर एक बेहद आपत्तिजनक पोस्ट किया था। भाजपा समर्थकों का तर्क है कि जो नेता हिंदू आस्था के प्रतीकों का अपमान करती रही हैं, वह अब मुस्लिम तुष्टिकरण के लिए मंचों से इस तरह के गीत गा रही हैं।

मणिपुर में सुरक्षा बलों की बड़ी कार्रवाई, 21 अवैध बंकर नष्ट और 13 आईईडी बरामद, उखरुल और तेंगनौपाल जिलों में सर्च ऑपरेशन तेज

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर में सुरक्षा बलों ने उग्रवाद और अवैध गतिविधियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए एक महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है। राज्य के उखरुल जिला में 21 अवैध बंकरों को नष्ट कर दिया गया, जबकि अलग-अलग अभियान में तेंगनौपाल जिला से 13 आईईडी (इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस) भी बरामद किए गए हैं। जानकारी के अनुसार, यह कार्रवाई हाल ही में हुई उस घटना के बाद की गई है, जिसमें एक बीएसएफ जवान की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस घटना के बाद क्षेत्र में सुरक्षा एजेंसियों ने सघन तलाशी अभियान तेज कर दिया है और संवेदनशील इलाकों में अतिरिक्त बल तैनात किए गए हैं। अधिकारियों ने मीडिया को बताया कि शनिवार को उखरुल जिले के अंतर्गत लिटान पुलिस स्टेशन क्षेत्र में आने वाले सिकिबुंग गांव में सुरक्षा बलों ने 14 अवैध बंकरों को ध्वस्त किया। इसके अलावा मोंगकोट चेपु इलाके में सात अन्य बंकरों को भी नष्ट किया गया। अभियान के दौरान सुरक्षा बलों को 11 खाली कारतूस भी बरामद हुए, जिससे इलाके में हाल ही में हुई गतिविधियों के संकेत मिलते हैं। सुरक्षा एजेंसियों का मानना है कि ये बंकर असामाजिक और उग्रवादी तत्वों द्वारा छिपने और गतिविधियों को अंजाम देने के लिए बनाए गए थे। इन बंकरों के नष्ट होने से क्षेत्र में उनकी छिपने और ऑपरेशन क्षमता पर बड़ा असर पड़ेगा। इसी तरह, तेंगनौपाल जिले में चलाए गए एक अलग सर्च ऑपरेशन में 13 आईईडी बरामद किए गए, जिन्हें समय रहते निष्क्रिय कर दिया गया, जिससे एक बड़ी संभावित दुर्घटना टल गई। अधिकारियों ने बताया कि ये विस्फोटक संवेदनशील मार्गों और इलाकों को निशाना बनाने की साजिश का हिस्सा हो सकते थे। मणिपुर के कई हिस्सों में पिछले कुछ समय से सुरक्षा स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई है। ऐसे में सुरक्षा बल लगातार सर्च ऑपरेशन, गश्त और तलाशी अभियान चला रहे हैं ताकि शांति व्यवस्था बहाल की जा सके।

जेद्दा जा रहे यात्रियों को लखनऊ एयरपोर्ट पर विमान से उतारा, यात्री नाराज

लखनऊ (एजेंसी)। सऊदी एयरलाइंस की जेद्दा जाने वाली फ्लाइट एसवी-893 से 54 यात्रियों को लखनऊ एयरपोर्ट पर ही उतार दिया। एयरपोर्ट सूत्रों के मुताबिक ये सभी यात्री लखनऊ से जेद्दा जा रहे थे। वहां से दुबई कनेक्टिंग फ्लाइट एसवी-588 से जाना था, लेकिन कनेक्टिंग फ्लाइट को अचानक रद्द कर दिया गया। इस वजह से यात्रियों के टिकट रद्द कर दिए गए और उन्हें लखनऊ में ही रोक दिया। यह घटना बीती रात की है। उड़ान का तय समय तड़के 2:30 बजे था। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस अचानक लिए गए फैसले से यात्रियों में नाराजगी दिखी। यात्रियों ने आरोप लगाया कि उन्हें समय रहते सूचना नहीं दी गई और न ही कोई वैकल्पिक व्यवस्था की गई। शुरुआत में रिफंड न मिलने से वह आक्रोशित भी थे। बाद में एयरलाइन अधिकारियों ने रिफंड का आश्वासन दिया, जिसके बाद यात्री घर लौट गए। सूत्रों का कहना है कि खाड़ी क्षेत्र में चल रहे तनाव और युद्ध जैसी स्थिति के कारण कनेक्टिंग फ्लाइट रद्द की गई है। हालांकि, इस संबंध में एयरलाइन की ओर से कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है।

वसुंधरा का छलका दर्द कहा– मैं खुद की जमीन नहीं बचा पाई तो दूसरों के लिए क्या लड़ूंगी?

जयपुर (एजेंसी)। मुख्यमंत्री न बन पाने की टीस कहीं न कहीं भाजपा की वरिष्ठ नेता वसुंधरा राजे सिंधिया के मन में है। शायद यही वजह है कि एक बार उनका दर्द छलका और उनकी जुबान पर आ गया। उन्होंने झालावाड़ में जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि जब मैं खुद को और अपनी जमीन को नहीं बचा पाई तो आपके लिए क्या लड़ूंगी। उनके इस बयान से राजस्थान से लेकर दिल्ली तक हड़कंप मच गया। बाद में उन्होंने सफाई देते हुए कहा कि मेरे बयान को तोड़मरोड़कर पेश किया गया है, मेरा मतलब मेरे खुद के अनुभवों से था। दरअसल, सभा में जनता को संबोधित करते हुए राजे ने मुस्कराते हुए कहा था कि जब वे खुद को और अपनी जमीन को नहीं बचा पाईं, तो दूसरों के लिए क्या लड़ सकती हैं। उन्होंने धौलपुर में सड़क निर्माण के दौरान अपनी जमीन चले जाने का उदाहरण देते हुए कहा, मेरा चला गया, मैं नहीं बचा सकी अपने आपको। राजे के इस बयान को राजनीतिक विश्लेषक मुख्यमंत्री पद न मिलने की टीस और पार्टी आलाकमान के प्रति उनके असंतोष के रूप में देख रहे हैं। हालांकि, विवाद बढ़ता देख राजे ने स्पष्टीकरण दिया कि उनके शब्दों को तोड़-मरोड़कर पेश किया जा रहा है और उनका तात्पर्य पद से नहीं, बल्कि व्यक्तिगत अनुभवों से था। इस घटनाक्रम पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने बीकानेर दौरे के दौरान बेहद सधे हुए लेकिन कड़े अंदाज में प्रतिक्रिया दी। राठौड़ ने ठेठ राजस्थानी (मारवाड़ी) कहावत– 'चिट्ठी चूर-चूर करे, मांगे डाल और घी, मोदी सु कुन झगड़ो करे, चिट्ठी खानी नाल' का सहारा लेकर राजे को परोक्ष रूप से नसीहत दी। इस कहावत का अर्थ यह है कि जो कुछ भी प्राप्त हुआ है, उसमें संतोष कर उसका आनंद लेना चाहिए और जिस स्रोत से भरण-पोषण हो रहा है, उससे विवाद मोल लेना आत्मघाती हो सकता है। राठौड़ का यह कटाक्ष स्पष्ट रूप से यह संदेश देता है कि पार्टी में अनुशासन सर्वोपरि है और वर्तमान स्थिति को स्वीकार करना ही श्रेयस्कर है। उन्होंने यह भी जोड़ा कि राजे आज भी पार्टी की वरिष्ठ नेता हैं और उनके सभी कार्य समय पर हो रहे हैं। लेकिन जानकारों का मानना है कि चुनाव के काफी समय पहले ही इस तरह की बयानबाजी राजस्थान भाजपा में आंतरिक गुटबाजी और नेतृत्व के बीच की खाई को दर्शा रही है, जो आने वाले समय में बड़ी चुनौती बन सकती है।

बोकारो में 28 पुलिसकर्मी सस्पेंड

बोकारो (एजेंसी)। झारखंड में संभवतः ऐसा पहली बार हुआ है, जब किसी मामले के निष्पादन में जानबूझकर लापरवाही बरतने के आरोप में पूरे थाने को सस्पेंड किया गया हो। ऐसा उदाहरण बोकारो जिले के पिंड्राजोरा थाने का है। बोकारो एसपी ने इस थाने में कार्यरत 10 सब इंस्पेक्टर, पांच असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर, दो हवलदार और 11 सिपाही को सस्पेंड किया है। बोकारो एसपी ऑफिस से शनिवार की देर रात यह आदेश जारी किया गया है। दरअसल, 24 जुलाई 2025 को जिले के पिंड्राजोरा थाने की रहने वाली 18 साल की पुष्पा महतो के लापता होने का मामला उसकी मां रेखा देवी ने दर्ज कराया था। लेकिन लगभग 9 महीने तक पुलिस इसे नहीं तलाश पा रही थी। इसके बाद परिजन हाईकोर्ट पहुंच गए। मामले में हाईकोर्ट में पुलिस की कार्रवाई के लिए फटकार लगाई। डीजीपी से लेकर एसपी तक को कोर्ट में हाजिर होना पड़ा। इसके बाद पुलिस ने एक ही दिन में पूरे मामले का खुलासा कर दिया। पुलिस ने लापता युवती का कंकाल भी बरामद कर लिया और आरोपी को भी अरेस्ट कर लिया।

मां वैष्णो देवी यात्रा में उमड़े श्रद्धालू, कटड़ा में दिखा उत्सव जैसा माहौल

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के विश्व प्रसिद्ध तीर्थस्थल मां वैष्णो देवी मंदिर में इन दिनों श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ रहा है। आधार शिविर कटड़ा से लेकर भवन परिसर और यात्रा मार्गों तक हर जगह भक्तों की भीड़ देखने को मिल रही है। जयकारों और भक्ति भाव से पूरा क्षेत्र उत्सवमय माहौल में डूबा नजर आ रहा है।

रविवार सुबह से ही कटड़ा के पंजीकरण काउंटरों पर लंबी कतारें लगनी शुरू हो गईं। श्रद्धालु नए ताराकोट मार्ग और दर्शनी ड्योढ़ी प्रवेश द्वार पर सुरक्षा जांच और पंजीकरण प्रक्रिया के लिए अपनी बारी का इंतजार करते दिखाई दिए। बड़ी संख्या में लोग परिवार और मित्रों के साथ मां के जयकारे लगाते हुए यात्रा मार्ग की ओर बढ़ते रहे। भवन परिसर में भी दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की कतारें लगातार आगे बढ़ती रहीं। मौसम साफ रहने और दिनभर धूप खिली रहने से यात्रा का अनुभव और भी सुखद बना रहा, हालांकि ठंडी हवाओं का असर भी बना रहा, जिससे मौसम सुहावना बना रहा।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार यात्रा के चलते स्थानीय बाजारों में भी खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। दर्शन के बाद श्रद्धालु कटड़ा के बाजारों में प्रसाद और धार्मिक सामग्री की खरीदारी करते नजर आए, जिससे व्यापारिक गतिविधियों में तेजी आई है। श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। सीआरपीएफ, पुलिस, श्राइन बोर्ड और आपदा प्रबंधन दल के जवान यात्रा मार्गों और प्रमुख स्थलों पर तैनात हैं। सुरक्षा के कड़े इंतजामों के साथ-साथ पूरी यात्रा व्यवस्था पर लगातार निगरानी रखी जा रही है, ताकि श्रद्धालुओं की यात्रा सुरक्षित और सुचारु रूप से जारी रह सके।

कर्नाटक में सीएम सिद्धारमैया के करीबी नेताओं पर एक्शन की तैयारी में आलाकमान

–रिपोर्टों में तीन नेताओं को पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल पाया गया

नई दिल्ली (एजेंसी)। अल्पसंख्यक नेतृत्व के एकीकरण को लेकर कांग्रेस में तनाव बढ़ गया है। कहा जा रहा है कि पार्टी हाईकमान सीएम सिद्धारमैया के करीबी नेताओं की पार्टी विरोधी गतिविधियों से नाराज हैं। ऐसे में इन नेताओं पर पार्टी आलाकमान जल्द एक्शन ले सकता है। हाल ही में अल्पसंख्यक कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष ने इस्तीफा दे दिया था। अब सीएम के राजनीतिक सचिव नजीर अहमद को पद छोड़ने के लिए कहा गया है। शनिवार को सिद्धामैया और हाईकमान के बीच देर रात तक कई दौर की बातचीत हुई।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक हाईकमान ने निर्देश दिया है कि दावणगेरे दक्षिण में पार्टी के खिलाफ काम करने वाले लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जाए। सिद्धारमैया के करीबी सहयोगी और पूर्व जद(एस) नेता जमीर अहमद खान भी इस जांच के घेरे में आ गए हैं। इंटेलिजेंस विंग और एआईसीसी सचिव अभिषेक दत्त की दो अलग-अलग रिपोर्टों में जब्बार, नजीर अहमद और जमीर को पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल पाया गया। उनपर आरोप हैं कि उन्होंने प्रतिद्वंद्वी उम्मीदवारों का समर्थन किया। इसके साथ ही उनके कंपेन के लिए फंडिंग की और चुनाव में भी मदद की।

पार्टी को शक है कि इनमें से कुछ नेताओं ने वित्तीय रूप से एसडीपीआई की मदद की होगी, जो कांग्रेस के लिए किसी बड़ी राजनीतिक चुनौती से कम नहीं है। इंटेलिजेंस इनपुट्स ने दावणगेरे दक्षिण में एक एसडीपीआई उम्मीदवार के समर्थन से जुड़े वित्तीय लेनदेन को ट्रैक किया है। तीनों नेताओं ने एक अल्पसंख्यक उम्मीदवार, सादिक पहलवान के लिए भी पुरजोर दबाव बनाया था। इसके बाद सिद्धारमैया को आंतरिक असंतोष को शांत करने के लिए सेकेंड लाइन मुस्लिम नेताओं रिजवान अरशद और सलीम अहमद को आगे लाना पड़ा। जब्बार और नजीर अहमद के खिलाफ कार्रवाई करने के बाद, सीएम अब जमीर अहमद को कैबिनेट से हटाने पर विचार कर रहे हैं।

जाति जनगणना पर कांग्रेस का केंद्र पर हमला, बोली- सरकार मुद्दे को टालना चाह रही

जयराम रमेश ने बयानों की टाइमलाइन जारी कर साधा निशाना

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली में जाति जनगणना को लेकर सियासी घमासान तेज हो गया है। कांग्रेस ने केंद्र सरकार पर इस मुद्दे को ÷ठंडे बस्ते में डालने÷ का आरोप लगाया है। राज्यसभा सांसद और पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने रविवार को सोशल मीडिया के जरिए सरकार के खिलाफ मोर्चा खोला।

जयराम रमेश ने कहा कि नरेंद्र मोदी सरकार जाति जनगणना को लेकर लगातार अपना रुख बदल रही है और देश को गुमराह कर रही है। उन्होंने पिछले कुछ वर्षों में केंद्र द्वारा दिए गए बयानों की एक टाइमलाइन साझा करते हुए दावा किया कि सरकार की मंशा स्पष्ट नहीं है। कांग्रेस नेता के अनुसार, 20 जुलाई 2021 को लोकसभा में सरकार ने स्पष्ट कहा था कि अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) के अलावा अन्य जातियों की गणना नहीं की जाएगी। इसके बाद 21 सितंबर 2021 को सुप्रीम कोर्ट में दायर हलफनामे में भी केंद्र ने जाति जनगणना न कराने को एक नीतिगत निर्णय बताया था।

उन्होंने आगे कहा कि 28 अप्रैल 2024 को एक इंटरव्यू में प्रधानमंत्री मोदी ने जाति जनगणना की मांग को ÷अर्बन नक्सल मानसिकता÷ करार दिया था। वहीं, 30 अप्रैल 2025 को सरकार ने अचानक घोषणा की कि आगामी जनगणना में जाति आधारित आंकड़े भी जुटाए जाएंगे। जयराम रमेश ने यह भी उल्लेख किया कि 30 मार्च 2026 को जनगणना आयुक्त ने कहा था कि डिजिटल प्रक्रिया के कारण 2027 तक अधिकांश आंकड़े उपलब्ध हो जाएंगे। इसके बावजूद अब सरकार द्वारा यह संकेत दिया जा रहा है कि जाति जनगणना के परिणाम आने में कई साल लग सकते हैं, जिसे कांग्रेस ने विरोधाभासी बताया है।

कांग्रेस का आरोप है कि सरकार संविधान के प्रावधानों में संशोधन कर इस प्रक्रिया को और टालना चाहती है। पार्टी का कहना है कि बिहार और तेलंगाना जैसे राज्यों ने कम समय में

जातिगत सर्वेक्षण पूरा कर दिखाया है, ऐसे में केंद्र का तर्क उचित नहीं है। इस पूरे मुद्दे पर कांग्रेस ने सरकार पर ÷छिपे एजेंडे÷ के तहत जाति जनगणना से बचने का आरोप लगाया है। जयराम रमेश ने कहा कि प्रधानमंत्री जनता को भ्रमित कर रहे हैं और पारदर्शिता से बच रहे हैं।

तमिलनाडु चुनाव में विजय की रैलियां रद्द, डीएमके ने ली चुटकी और साधा निशाना

चैन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु में आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर सियासी सरगर्मी तेज हो गई है। इसी बीच अभिनेता से नेता बने विजय की पार्टी तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) के प्रचार कार्यक्रमों में लगातार हो रही रद्दीकरण ने राजनीतिक बहस को जन्म दे दिया है। विजय इस चुनाव में पेरम्बूर और तिरुचिरापल्ली पूर्व सीटों से चुनाव लड़ रहे हैं। 30 मार्च को नामांकन दाखिल करने के बाद उन्होंने कुछ क्षेत्रों में प्रचार किया था, लेकिन उसके बाद उनके कई महत्वपूर्ण कार्यक्रम या तो रद्द कर दिए गए या स्थगित कर दिए गए। इनमें विल्लीवाक्कम, टी नगर, कुड्डालोर और तिरुवल्लूर जैसे क्षेत्रों में प्रस्तावित रैलियां और रोड शो शामिल हैं। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार पार्टी की ओर से इन रद्दीकरणों की कोई स्पष्ट वजह सार्वजनिक नहीं की गई है। हालांकि कुछ मामलों में सुरक्षा कारणों और समय की कमी का हवाला दिया गया, जिससे उनकी चुनावी रणनीति को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं। इस बीच सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कड़गम ने इस मुद्दे पर विजय पर तीखा हमला बोला है। तमिलनाडु के उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन ने कहा कि जहां कुछ नेता जनता से सीधे जुड़ने के लिए लगातार मैदान में उतर रहे हैं, वहीं कुछ नेता सीमित और रुक-रुककर प्रचार कर रहे हैं।

महिला आरक्षण पर चर्चा से पहले भाजपा ने जारी किया व्हिप

सभी सांसदों को 16 से 18 अप्रैल तक संसद में रहना होगा मौजूद

नई दिल्ली (एजेंसी)। भाजपा ने रविवार को लोकसभा और राज्यसभा के सभी सांसदों को 3 लाइन का व्हिप जारी कर 16 से 18 अप्रैल तक संसद में मौजूद रहने को कहा है। इस दौरान किसी को भी छुट्टी नहीं दी जाएगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को हुई कैबिनेट बैठक में नारी शक्ति वंदन अधिनियम में संशोधन के ड्राफ्ट बिल को मंजूरी दे दी गई थी।

सरकार ने बजट सत्र को बढ़ाते हुए 16 से 18 अप्रैल तक संसद का विशेष सत्र बुलाया है। संसद से मंजूरी मिलने के बाद यह कानून 31 मार्च 2029 से लागू होगा और उसी साल होने वाले लोकसभा चुनाव में पहली बार प्रभावी होगा। इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को लोकसभा और राज्यसभा के सभी दलों के फ्लोर लीडर्स को पत्र लिखकर 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' पर समर्थन मांगा। पीएम ने लिखा कि अब समय आ गया है कि इस कानून को पूरे देश में सही मायनों में लागू किया जाए। पीएम मोदी ने लिखा कि 2029 के लोकसभा और विधानसभा चुनाव महिलाओं के लिए आरक्षण के साथ कराए जाने चाहिए। महिलाओं को राजनीति में ज्यादा प्रतिनिधित्व देने की इच्छा सभी पार्टियों ने लंबे समय से जताई है, अब इसे हकीकत में बदलने का समय है।

खडगे बोले- सर्वदलीय बैठक हो

वहीं, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे ने पत्र के जवाब में पत्र लिखकर कहा कि राज्य चुनावों के बीच संसद का विशेष सत्र बुलाना यह दिखाता है कि सरकार इस कानून को राजनीतिक लाभ के लिए जल्दबाजी में लागू करना चाहती है। खडगे ने यह भी मांग की कि इस मुद्दे पर सर्वदलीय बैठक बुलाई जाए और परिसीम से जुड़े मुद्दों पर भई विस्तार से चर्चा की जाए। इस प्रस्ताव के तहत लोकसभा की सीटें मौजूदा 543 से बढ़ाकर 816 की जाएंगी, जिनमें 273 सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित होंगी।

बीजेपी नेता ने की एक्स पर कम्युनिटी नोट्स को बंद करने की मांग

–निशिकांत ने कहा– एक्स लाइसेंस ले और हर साल 25,000 करोड़ का टैक्स दे

नई दिल्ली (एजेंसी)। बीजेपी नेता और संचार एवं आईटी पर संसदीय स्थायी समिति के अध्यक्ष निशिकांत दुबे ने एक्स पर कम्युनिटी नोट्स को बंद करने की मांग की है। यह मांग निशिकांत ने खुद एक पोस्ट के जरिए की। उन्होंने कहा कि समिति ने इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्रालय के सामने सर्वसम्मति से यह राय जाहिर की है। पोस्ट में दुबे ने सवाल उठाया कि कम्युनिटी नोट्स को लेकर इतना हंगामा क्यों हो रहा है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक निशिकांत ने दावा किया कि एक्स क्राप भारत सरकार को कोई टैक्स नहीं देता। ऑस्ट्रेलिया का उदाहरण देते हुए उन्होंने सुझाव दिया कि ऑस्ट्रेलियाई कानून की तरह ही एक्स को भारत में एक पब्लिशर का लाइसेंस लेना चाहिए और हर साल 25,000 करोड़ का टैक्स देना चाहिए। उन्होंने तर्क दिया कि अगर ऐसा नहीं होता, तो कम्युनिटी नोट्स को बंद कर देना चाहिए।

बता दें कम्युनिटी नोट्स एक पर एक क्राउड-सोर्स्ड फैक्ट-चेकिंग टूल है, जहां यूजर्स संभावित रूप से गुमराह करने वाली या गलत पोस्ट पर नोट्स जोड़ सकते हैं। जब दूसरे यूजर्स किसी नोट को हेपफुल यानी मददगार बताते हैं, तो वह नोट मूल पोस्ट के नीचे दिखाई देता है। उत्तर प्रदेश के सीएम द्वारा एआई पार्क और डेटा सेंटर के लिए पुक एआई के साथ 25,000 करोड़ के करार की घोषणा के बाद यह फीचर चर्चा में रहा है। सीएम योगी की पोस्ट पर एक कम्युनिटी नोट ने एमओयू की प्रामाणिकता पर सवाल उठाते हुए कहा कि पुक एआई एक साल पुराना स्टार्ट-अप है, जिसका सालाना राजस्व 50 लाख से भी कम है और उसमें इस तरह के समझौते को पूरा करने की क्षमता नहीं है। यह नोट एक्स के उन यूजर्स ने जोड़ा था, जिन्होंने इसे मददगार बताया था। चार दिन बाद, उत्तर प्रदेश सरकार ने इस करार को रद्द कर दिया था।

जंग के बीच ईरान में महंगाई और जरुरी सामान की कमी, भारत ने दिखाई इंसानियत

–भारत में अनाज का पर्याप्त भंडार, इसे ईरान भेजने पर किया जा रहा विचार

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच एक महीन से ज्यादा चले युद्ध ने साबित कर दिया है कि तीनों पक्षों को भारी नुकसान हुआ है, लेकिन सबसे ज्यादा मार आम लोगों पर पड़ी है। सीजफायर का ऐलान जरूर हो गया है, लेकिन जमीन पर हालात अब भी आसान नहीं हैं। युद्ध अपने साथ सिर्फ तबाही नहीं लाता, बल्कि महंगाई, बेरोजगारी और खाने-पीने की किल्लत भी लेकर आता है। ईरान में भी यही स्थिति देखने को मिल रही है, जहां आम लोग महंगाई और जरूरी सामानों की कमी से जूझ रहे हैं। वहीं भारत ने इंसानियत का परिचय देते हुए ईरानी लोगों के लिए मदद का हाथ बढ़ाया है। शांति वार्ता भी बेअसर रही। भारत सरकार अब युद्ध से प्रभावित ईरान समेत कई देशों को चावल भेजने की योजना पर गंभीरता से विचार कर रही है, ताकि वहां के लोगों को राहत मिल सके।

यह कदम सिर्फ एक कूटनीतिक पहल नहीं, बल्कि मानवीय संवेदना का बड़ा उदाहरण है। ईरान में जरूरी खाद्य सामग्री महंगी हो गई है और कई जगहों पर उपलब्धता कम हो गई है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ऐसे में भारत का आगे आना एक राहत भरी खबर है। सरकार के पास इस समय अनाज का पर्याप्त भंडार है, जिसे जरूरतमंद देशों तक पहुंचाया जा सकता है। यह फैसला भारत की वैश्विक भूमिका को भी मजबूत करता है, जहां वह सिर्फ एक आर्थिक ताकत ही नहीं, बल्कि संकट के समय मददगार देश के रूप में भी उभर रहा है।

भारत सरकार के स्तर पर हाल ही में हुई उच्चस्तरीय बैठक में इस मुद्दे पर विस्तार से चर्चा की गई। अधिकारियों के मुताबिक देश में गेहूं और चावल का बड़ा स्टॉक मौजूद है, जिसे अब निर्यात या मानवीय सहायता के तौर पर इस्तेमाल करने की योजना बनाई जा रही है। खासतौर पर युद्ध से प्रभावित देशों को प्राथमिकता दी जा रही है। ईरान के लिए चावल की शिपमेंट शुरू करने का प्रस्ताव इसी दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है।

जानकारी के मुताबिक पंजाब और हरियाणा जैसे राज्यों में नए सीजन की फसल आने वाली है, इससे गोदामों में जगह की कमी भी एक चुनौती है। दूसरी ओर वेस्ट एशिया में जारी तनाव के कारण सप्लाई चेन बुरी तरह प्रभावित है। जहाजों की आवाजाही पर असर पड़ा है और कई देशों में खाद्य संकट गहराने की आशंका है। इसको देखते हुए शिपिंग मंत्रालय को भी निर्देश दिए गए हैं कि वे इस बात की योजना बनाएं कि कैसे बड़े कार्गो जहाजों के जरिए खाद्य सामग्री को प्रभावित देशों तक पहुंचाया जा सके। यहां तक कि कुछ हाई-वैल्यू फूड आइटम्स को हवाई मार्ग से भेजने पर भी विचार किया जा रहा है।

रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तान शांति वार्ता की मेजबानी में व्यस्त नजर आया और अंत में यह शांति वार्ता विफल भी हो गई। वहीं जमीनी स्तर पर राहत पहुंचाने में उसकी कोई खास भूमिका सामने नहीं आई है।

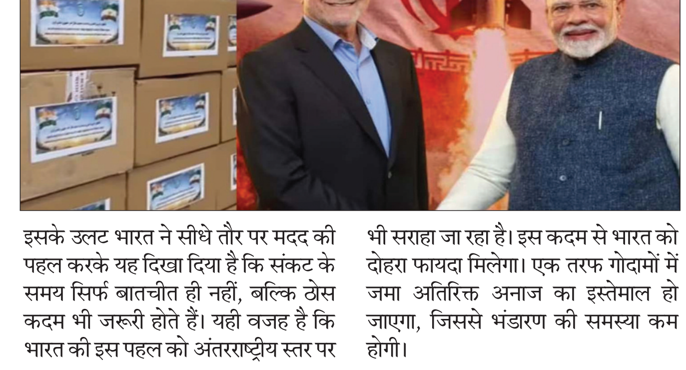

इसके उलट भारत ने सीधे तौर पर मदद की पहल करके यह दिखा दिया है कि संकट के समय सिर्फ बातचीत ही नहीं, बल्कि ठोस कदम भी जरूरी होते हैं। यही वजह है कि भारत की इस पहल को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी सराहा जा रहा है। इस कदम से भारत को दोहरा फायदा मिलेगा। एक तरफ गोदामों में जमा अतिरिक्त अनाज का इस्तेमाल हो जाएगा, जिससे भंडारण की समस्या कम होगी।

पाकिस्तान की मध्यस्थता से शांति समझौता रहा बेनतीजा

संजय गोस्वामी

पाकिस्तान की मध्यस्थता से शांति समझौता कराने की कोशिशों के बीच अमेरिका और ईरान ने इस्लामाबाद में बातचीत की। अमेरिकी का प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व अमेरिका के उप राष्ट्रपति जेडी वेंस ने की , जबकि ईरानी वातार्कारों की अगुवाई अगुआई ईरानी संसद के स्पीकर मोहम्मद बाघेर गालिबाफ कर रहे हैं। दल में विदेश मंत्री अब्बास अराघची, भी हैं लेकिन यह वार्ता में सफलता मिलने की संभावना बहुत ही कम दिखाई दे रही है, आज सारी दुनिया को मालूम है पाकिस्तान एक आतंकवादी देश है आज कल सारे न्यूज चैनल में अमेरिका ईरान युद्ध के 11अप्रैल 26 के शान्ति वार्ता पर ध्यान केंद्रीत है जो पाकिस्तान फुले नहीं समा रहा है और ऐ दिखाने की कोशिश की गईं है कि पाकिस्तान शान्ति का मैसेंजर है लेकिन हकीकत उल्टी है

पाकिस्तान की मध्यस्थता से शांति समझौता कराने की कोशिशों के बीच अमेरिका और ईरान ने इस्लामाबाद में बातचीत की। अमेरिकी का प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व अमेरिका के उप राष्ट्रपति जेडी वेंस ने की , जबकि ईरानी वातार्कारों की अगुवाई अगुआई ईरानी संसद के स्पीकर मोहम्मद बाघेर गालिबाफ कर रहे हैं। दल में विदेश मंत्री अब्बास अराघची, भी हैं लेकिन यह वार्ता में सफलता मिलने की संभावना बहुत ही कम दिखाई दे रही है आज सारी दुनिया को मालूम है पाकिस्तान एक आतंकवादी देश है आज कल सारे न्यूज चैनल में अमेरिका ईरान युद्ध के 11अप्रैल 26 के शान्ति वार्ता पर ध्यान केंद्रीत है जो पाकिस्तान फुले नहीं समा रहा है और ऐ दिखाने की कोशिश की गईं है कि पाकिस्तान शान्ति का मैसेंजर है लेकिन हकीकत उल्टी है दरअसल पाकिस्तान हाल ही में अफगानिस्तान में हवाई हमले कर 400 से अधिक निर्दोष नागरिकों को मौत की नींद सुला दिया और इजराइल पर ऐ आरोप लगाना तर्कसंगत है कि बेरूत में बम बरसा रहा है निर्दोष नागरिकों की हत्या कर रहा है जबकी वहाँ हिजबुल्लाह एक आतंकी संघठन है लेबनान में हिजबुल्लाह के ठिकानों पर बुधवार को हुए इजरायली हमले में अब तक कम से कम 254 लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं 1100 लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं।जो मानता हूँ ठीक नहीं है लेकिन जब आंतकवादी को पनाह देने वाले और आतंकवादी गतिविधियों में हजारों की संख्या में खुद ही निर्दोष लोग जिसमें भारत भी है को धर्म के आधार पर मारते हैं तो क्या ऐ सही है यदि धर्म का आधार ही है तो अफगानिस्तान में क्यों निर्दोष लोगों को मारा गया ऐ सिर्फ और सिर्फ अपनी डफली अपना राग और अपने आतंकी छवि को एक सफेद झूठ की चादर से ढक रहें है पाकिस्तान और ईरान का सीमा विवाद कोई नया नहीं है 2 वर्ष पूर्व याद कीजियेगा 17 जनवरी 2024 को मंगलवार रात पाकिस्तान पर हुए ईरानी मिसाइल हमले में दो बच्चों की मौत और तीन अन्य के घायल होने के बाद पाकिस्तान और ईरान के राजनयिक संबंधों में दरार है। उस समय पाकिस्तान ने इस हमले की कड़ी निंदा करते हुए तेहरान से अपने राजदूत को वापस बुला लिया था और इस्लामाबाद में मौजूद ईरान के दूत के पाकिस्तान लौटने पर रोक लगा दी। उस समय इस्लामाबाद ने ईरान पर पाकिस्तानी हवाई क्षेत्र का उल्लंघन करने का आरोपलगाया, जबकि ईरान के सरकारी मीडिया ने कहा कि मिसाइलों ने जैश अल-अदल नामक सशस्त्र समूह के दो ठिकानों को निशाना बनाया था।उस समय एक बयान में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री ने कहा गया था , यह गैर-कानूनी हरकत पूरी तरह से अस्वीकार्य है और इसका कोई भी औचित्य नहीं है। इसमें चेतावनी दी गई, पाकिस्तान इस गैर-कानूनी हरकत का जवाब देने का अधिकार सुरक्षित रखता है। इसके परिणामों की पूरी ज़िम्मेदारी ईरान की होगी।अमेरिका भी कैसे पाकिस्तान के चंगुल में फंस गया ऐ भी उसकी वर्ड पावर की छवि को बहुत ही निचे बातचीत के टेबल तक ले गया ऐ उसके इतिहास में कभी नहीं हुआ की पाकिस्तान जैसे देश में जाकर शांति वार्ता के लिए मजबूरी वश जाना पड़ा क्योंकि पहले जितने भी राष्ट्रपति हुए वो या

तो वर्ल्ड ट्रेड सेंटर पर, हमले का बदला या ईरान पर हमला कर कभी पीछे नहीं मुड़ा जहाँ तक ईरान में युद्ध की बात है नाटो का कहना ऐ उसका निजी मामला है हमसे पूछ कर नहीं किया गया तो ईराक में जब सद्दाम हुसैन पर हमला किया गया तो किससे पूछ कर किया फिर भी वहाँ भी अमेरिका को क्या खतरा था ईरान से तो समझ में आता है कि अमेरिका को बाद में खतरा हो सकता था क्योंकि उसकी मिशायल की मारक क्षमता बाद में अमेरिका तक मार करने की क्षमता हासिल कर सकता था और जो अभी खाड़ी देशों में अमेरिका के बेस पर जिसतरह हमला हुआ वैसा पहले कभी नहीं हुआ ऐ अमेरिका को गहरा चोट पहुँचाया है और इसमें कहीं ना कहीं पाकिस्तान की भी मिली भगत हैं क्योंकि उसी के बॉडर से होकर ही हथियार गया है जो अमेरिका के लाख बम्प्रबारी के बाद भी 100 वीं लहर तक कैसे गया इसलिए की इसमें चीन और रूस के साथ पाकिस्तान का भी हाथ होगा हथियार पहुंचाने में, जो खबर निकल कर सामने आई है इसलिए पाकिस्तान शान्ति वार्ता क्या कराएगा जो खुद ही आतंकवादी के सहारे दहशतगर्द को पनपा रहा है और भारत में मासूमों की हत्या करवाता है 26/11/08 को मुंबई में पाकिस्तान के आईएसआई ने ऐसी कत्लेआम का अंजाम दिया जिसमें सैकड़ो मासूमों की जान चंद आतंकवादी ने कत्लेआम किया वो भी धर्म के नाम पर, और हाल ही में पहलगांव में दर्जनों भारतीय पर्यटक की हत्या धर्म के नाम पर की, अतः एक कहावत है जो संत कबीर ने लिखी है :-बुरा जो देखन मैं चला, बुरा न मिलिया कोय, जो दिल खोजा आपना, मुझसे बुरा न कोय,संत कबीरदास जी का यह प्रसिद्ध दोहा आत्म-निरीक्षण (self-reflection) का संदेश देता है, जो सिखाता है कि दूसरों में दोष ढूंढने से पहले अपने भीतर झांकना चाहिए। भारत अगर ऑपरेशन सिंदूर कर पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों पर हमला नहीं करता तो कट्टरवादी आतंकी फिर कोई नया खेल करते और भारतीय मासूमों की जान जाती किसी भी धर्म में मानवता को ही सर्वोपरि माना गया है लेकिन धर्म की आड़ लेकर लोग इसका फायदा आतंक को पनपाने में करता है जो विश्व के लिए खतरा है अब ईरान भी उसी रास्ते पर चल पड़ा है क्योंकि जिस तरह खाड़ी देशों में उसके हमले में कई निर्दोष नागरिकों की मौत हुई है और जिस तरह हार्मोस को पूरी तरह बंद करके दूसरे देश के लिए क्यों बन्द किया जिसका इस युद्ध से कोई लेना देना नहीं है और उसने इसे सबसे बड़े हथियार के तौर पर इस्तेमाल किया। तेहरान ने छोटी नावों का इस्तेमाल करके हार्मोज में माइंस बिछा दी जिससे कोई भी जहाज इसका शिकार हो सकता है जिससे इस युद्ध में कोई लेना देना नहीं है कई जहाजो को वहाँ से गुजरने पर उड़ा भी दिया गया ऐ सब विश्व शांति के लिए खतरा है, और आतंकवादी देश आतंकी देश ही आपस में तालमेल बिठा लेते हैं और आतंकी को पनपाने में अमेरिका का ही हाथ रहा है क्योंकि यह बात खुद ट्रम्प ने ही पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा को ईरान में परमाणु समझौता किया जिससे वो आज परमाणु बम बनाने के तरफ कदम रखा, हुती हिजबुल्ला, हमास, मलेशिया ग्रुप ईरान के प्रॉक्सी ग्रुप हैं जो न सिर्फ इजराइल में बल्कि मिडिल ईस्ट में आतंकवादी गतिविधियों का अंजाम देते हैं ट्रम्प की हताशा यहाँ तक हो गईं थी की सभ्यता नष्ट की बात करते हैं और फिर शान्ति के मसीहा बन जाते हैं और ईरान में अपने पैर पसारने और सजाने संवारने की बात करते हैं वहीं ईरान में कहाँ परिवर्तन हुआ आज भी खामनोई का फोटो और झंडा लहराते हुए लोग जश्न मानते नजर आ रहें हैं युद्ध विराम किया अच्छी बात है लेकिन पहले डराने धमकाने और खत्म करने का धमकी देने की जरुरत क्या थी ईरान ने अमेरिका को आर्थिक और सामरिक दृष्टिकोण से अपने मिशायल से काफी नुकसान पहुँचाया है और खाड़ी देश से अमेरिका के बेस को इस तरह बर्बाद किया है कि उन देशों पर अमेरिका का भरोसा उठ गया है और ऐ युद्ध इजराइल के लिए खत्म नहीं हुआ है आज भी बेरूत में हिजबुल्ला पर अटैक कर ही रहा है। इसलिए ऐ सीजफायर ज्यादा दिन टिकने वाला नहीं है पाकिस्तान के इस्लामाबाद में शांति वार्ता मात्र एक दिखावा है क्योंकि ईरान का भरोसा खाड़ी में अपने परोसी देशों पर हमला करना और इजराइल ने साफ कहा है कि शांति वार्ता में ऐ युद्ध शामिल नहीं है और इजराइल का समर्थन ट्रम्प ने किया है तभी युद्ध हुआ और अब अमेरिका कुछ दिन युद्ध विराम कर इससे सबक लेते हुए आगे की सैन्य अभियान को द्रुस्त करने की है क्योंकि इसमें कई पेंच है जो इजराइल के पास येरुशेलम को लेकर एक धार्मिक स्थल है जो 2017 में डोनाल्ड ट्रम्प ने एक बयान में साझा किया था कि यरूशलम न केवल तीन महान धर्मों का केंद्र है, बल्कि अब यह दुनिया के सबसे सफल लोकतंत्रों में से एक का भी केंद्र है। पिछले सात दशकों में, इजराइल के लोगों ने एक ऐसा देश बनाया है जहाँ यहूदी, मुसलमान, ईसाई और सभी धर्मों के लोग अपनी अंतरात्मा और अपनी मान्यताओं के अनुसार रहने और पूजा-अर्चना करने के लिए स्वतंत्र हैं। यरूशलम आज भी एक ऐसा स्थान है–और हमेशा ऐसा ही रहना चाहिए–जहाँ यहूदी वेस्टर्न वॉल पर प्रार्थना करते हैं, जहाँ ईसाई स्टेशन्स ऑफ द क्रॉस पर चलते हैं, और जहाँ मुसलमान अल-अक्सा मस्जिद में इबादत करते हैं।जहाँ अमेरिका के रक्षा मंत्री हेगसेथ का कहना है कि यरूशलम का इतिहास क्रूसेड्स–मध्ययुग के उन क्रूर युद्धों–का बचाव करने का रहा है, जिनमें ईसाई और मुसलमान एक-दूसरे के खिलाफ लड़े थे। अपनी 2020 की किताब अमेरिकन क्रूसेड में, उन्होंने लिखा कि जो लोग पश्चिमी सभ्यता का आनंद लेते हैं, उन्हें किसी क्रूसेडर का शुक्रिया अदा करना चाहिए। उनके दो टैटू क्रूसेडर इमेजरी से सम्बंधित है : उनके अनुसार जेरूसलम क्रॉस और ड्यूस वुल्ट या भगवान की इच्छा वाक्यांश, है जिसे हेगसेथ ने जेरूसलम की ओर मार्च करते समय ईसाई शूरवीरों का रैली का नारा कहा है। अमेरिका में ईसाई धर्म के लोग 65 परसेंट है और यही चुनाव में जीत हार को तय करता है पिछले इतिहास को देखेंगे तो मालूम पड़ेगा ऐ असल में एक धर्म युद्ध है जिसमें कई सालों से युद्ध हुआ और खतनाक नतीजे सामने आए हैं। इसलिए भारत का इसमें कोई रोल है ही नहीं भारत में भगवान राम ने शान्ति का संदेश दिया और भारत में सनातन इसलिए गर्व से अपने भगवान राम के लिए मानवता का संदेश दुनिया को पहुंचाता रहा है इसलिए भारत विश्वगुरू है क्योंकि भारत में भगवान राम का आशीर्वाद है और जब भी कोई संकट आएगा तो संकटमोचन रामभक्त भगवान हनुमान उसे बचाने आएंगे।इसलिए मीडिया को ऐसी खबर दिखाने से बचना चाहिए जिसमें आतंकवादी को पालने वाला पाकिस्तान का गुणगान हो रहा हो और अपने देश की विदेश कूटनीति पर सवाल हो हमारा देश अंगजो के लाख कोशिश के बाद भी सबसे ज्यादा भगवान राम पर आस्था है यही प्रमाण है कि 1984 में जब रामानंद सागर की रामायण फिल्म आई तो बाहर सन्नाटा दिखाई देता और हर घर में रामायण का सीरियस हरेक घर में चलता था भगवान राम का मार्ग कठिनाई से भरा जरूर है लेकिन एक आदर्श इंसान बनने के लिए प्रेरणादायक है। इसलिए भारत को गर्व करना चाहिए कि भारत की धरती पर भगवान का जन्म राम के रुप में हुआ इसलिए यहाँ की मिट्टी में अपने प्रभु राम के चरणों से हरियाली है और उसी मिट्टी में पंचतत्व का शरीर राम नाम सत्य के नाम से ईश्वर को पाने की लालसा रखता है इसलिए हम किसी दूसरे के झगड़े में क्यों अपना समय बर्बाद करें होशियार आदमी को समझाया जा सकता है लेकिन मुर्ख को नहीं, हमारी सभ्यता और संस्कृति सबसे उत्कृष्ट है जिसे स्वामी विवेकानंद ने शिकागो में सिद्ध किया अब खबर ऐ आई है कि पाकिस्तान की मध्यस्थता से शांति समझौता रहा बेनतीजा रहा क्या फिर युद्ध की आग में निर्दोष लोग मारे जायेंगे।

संपादकीय

युद्धविराम 'वेंटिलेटर' पर

अमरीका-ईरान में युद्धविराम 'वेंटिलेटर' पर है। जिंदा है, सांस चल रही है, लेकिन कभी भी दम तोड़ सकता है। यह युद्धविराम के मात्र दो दिन का सारांश है। यदि इन दोनों देशों के बीच शांति-समझौता नहीं हो पाया अथवा युद्धविराम 'ईमानदार' ही नहीं रहा, तो उसके बाद 'महाविनाश का युद्ध' लगभग तय मानना चाहिए, क्योंकि अमरीका के विराट युद्धपोत, लड़ाकू विमान, मिसाइलें, ड्रोन समेत सैनिक मध्य-पूर्व में ही मौजूद हैं। युद्धविराम के कुछ ही घंटों में इजरायल ने लेबनान के कुछ शहरों में, 10 मिनट के अंतराल में ही, करीब 160 बम बरसाए, नतीजतन 303 से अधिक मासूम, बेगुनाह लोग मारे गए और 1500 से अधिक घायल हुए। इनके अलावा, बहुमंजिला इमारतें ध्वस्त कर दी गईं। यह सरकारी डाटा है। लेबनान की सडकों पर हृदयविदारक चीख-पुकार ने मन के भीतर बार-बार सवाल पैदा किए कि प्रधानमंत्री नेतन्याहू 'सामूहिक नरसंहार' पर आमादा क्यों हैं? क्या वह मनुष्य नहीं हैं? अथवा एक राक्षस ने मनुष्य का मुखौटा पहन रखा है? यदि ऐसे नरसंहारों के प्रभाव में नेतन्याहू चुनाव जीत कर फिर प्रधानमंत्री बन जाते हैं, तो मानवता उस पर थूकती है। वक्त इस हत्यारे का भी आएगा, जब लाश बनने में कुछ पल ही लगेंगे! इजरायल भारत का मित्र-देश है, लेकिन भारत नरसंहारों को कभी भी समर्थन नहीं देता। सवाल यह नहीं है कि युद्धविराम की परिधि में लेबनान है या नहीं है। चिंता और सरोकार यह है कि इस नरसंहार के बाद युद्धविराम 'वेंटिलेटर' पर पहुंच गया है। ईरान तिलमिला उठा है। ईरानी संसद के स्पीकर कालीबाफ का मानना है कि युद्धविराम के 10 सूत्रों में से 3 सूत्रों का घोर उल्लंघन हुआ है, लिहाजा किसी शांति-वार्ता या समझौते का कोई मतलब नहीं रहा है। ईरान का आरोप है कि अमरीका इजरायल के जरिए जंग में है और जंगबंदी का ऐलान किया गया है। ईरान के परमाणु कार्यक्रम, खासकर यूरेनियम के संवर्धन और अंततः परमाणु शक्ति सम्पन्न देश बनने के सबसे अहम मुद्दे पर अमरीका-ईरान के दरमियान विरोधाभास पूर्ववत हैं।

आर एस आघात के लघुकथा संग्रह बारिश की बूँदें का भव्य विमोचन

मुंबई (सब का सपना):- साहित्य के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में लेखक आर एस आघात के प्रथम लघुकथा संग्रह बारिश की बूँदें का विमोचन एक गरिमामय समारोह के दौरान किया गया। यह कार्यक्रम मुंबई के कैफे परेड स्थित एक सभागार में आयोजित हुआ। इस अवसर पर बैंक यूनियन से जुड़े अनेक कर्मचारियों की उल्लेखनीय उपस्थिति रही, जिससे कार्यक्रम की गरिमा और बढ़ गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में All India IDBI Bank Officers Association के राष्ट्रीय सचिव एन. विट्ठल कोटेश्वर राव तथा राष्ट्रीय अध्यक्ष सौरव कुमार उपस्थित रहे। यह लघुकथा संग्रह बारिश की बूँदें लेखक आर एस आघात का पहला कहानी-संग्रह है। इससे पूर्व उनके छह कविता संग्रह प्रकाशित हो चुके हैं, जिनके माध्यम से वे साहित्य जगत में अपनी विशिष्ट पहचान बना चुके हैं। कार्यक्रम में उपस्थित सभी अतिथियों और साहित्य प्रेमियों ने लेखक की इस नई कृति की सराहना करते हुए उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं। समारोह में प्रमुख रूप से उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों में रमेश चंद्र यादव, आजाद बहादुर सिंह, राजीव श्रीवास्तव, लालतेंदु बहादुर, जयकला, शकुंतला देवी, रजिया बेगम, पीयूष कुमार मौर्य, गगन यादव, लेवी, सौविक घोष, आलोक रंजन एवं देवेंद्र साहू आदि शामिल रहे।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

आशा भोसले: सुरों की ऐसी यात्रा जिसने भारतीय संगीत को दी नई पहचान

डॉ. हिदायत अहमद खान

भारतीय संगीत के इतिहास में कुछ ही कलाकार ऐसे हुए हैं जिन्होंने अपनी प्रतिभा, प्रयोगशीलता और दीर्घकालिक योगदान से समय की सीमाओं को लांघा और अमर हो गए। ऐसी ही एक महान हस्ती का नाम आशा भोसले है, जिनकी आवाज ने न केवल हिंदी सिनेमा को समृद्ध किया, बल्कि 20 से अधिक भाषाओं में 12,000 से ज्यादा गीतों के माध्यम से वैश्विक पहचान भी बनाई। उनका नाम गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज होना इस बात का प्रमाण है कि उनका योगदान सिर्फ लोकप्रियता तक सीमित नहीं रहा, बल्कि ऐतिहासिक उपलब्धि भी है। विश्व में भारतीय संगीत को एक नई पहचान दिलवाने वाली, 92 वर्ष की अथक जीवन यात्रा पूर्ण कर आशा भोसले यूं तो रविवार 12 अप्रैल 2026 को इस फानी दुनियां से हमेशा के लिए कूच कर गईं, लेकिन उनकी सुर साधना हमेशा संगीत प्रेमियों के दिलों में राज करती रहेगी।

सुर-संगीत की महान साधिका आशा भोसले का जन्म 8 सितंबर 1933 को महाराष्ट्र के सांगली में एक संगीत परिवार में हुआ था। उनके पिता पंडित दीनानाथ मंगेशकर एक प्रसिद्ध शास्त्रीय गायक थे, और घर का वातावरण शुरू से ही संगीत से परिपूर्ण था। ऐसे माहौल में पली-बढ़ीं आशा ने बहुत कम उम्र में ही संगीत की दुनिया में कदम रखा। महज 10 साल की उम्र में उन्होंने अपना पहला मराठी गीत 'चला चला नव बाल' गाया था, जिसे उन्होंने अपनी बड़ी बहन लता मंगेशकर के साथ रिकॉर्ड किया। यह अनुभव उनके लिए प्रेरणादायक साबित हुआ और यहीं से उनके जीवन की संगीत यात्रा ने दिशा पकड़ी। हालांकि, आशा भोसले की जिंदगी का सफर आसान नहीं था। संगीतकार परिवार से आने और लता मंगेशकर जैसी महान गायिका की बहन होने के बावजूद उन्हें शुरूआती दौर में कड़ा संघर्ष करना पड़ा। उस समय लता मंगेशकर पहले से ही भारतीय फिल्म संगीत की शीर्ष गायिका बन चुकी थीं, और उनकी छाया में आशा को अपनी अलग पहचान बनाने के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ी। उनकी आवाज शुरू में लता मंगेशकर से काफी मिलती-जुलती थी, जिससे कई बार भ्रम की स्थिति भी पैदा हो जाती थी। एक घटना में तो एक रिकॉर्डिंग को गलत तरीके से आशा का समझ लिया गया, जबकि वह उनकी बहन का गीत था। इस अनुभव ने उन्हें गहराई से सोचने पर मजबूर कर दिया कि अगर वे अपनी शैली नहीं बदलेंगी, तो हमेशा तुलना के तराजु में तौली जाती रहेंगी। इसके बाद आशा भोसले ने अपने संगीत करियर में एक बड़ा निर्णय लिया, उन्होंने अपनी गायकी की शैली को पूरी तरह बदलने का बीड़ा उठाया। उन्होंने पश्चिमी संगीत, अंग्रेजी फिल्मों और विभिन्न अंतरराष्ट्रीय शैलियों का अध्ययन शुरू किया। उन्होंने कव्वाली, गजल और कैबरे जैसे विविध रूपों में अपनी आवाज को ढालना सीखा। यही प्रयोगशीलता आगे चलकर उनकी सबसे बड़ी ताकत बनी। उन्होंने भारतीय फिल्म संगीत को एक नया रंग दिया और खुद को एक वसेर्टाइल गायिका के रूप में स्थापित किया। आशा भोसले ने न केवल मधुर प्रेम गीत गाए, बल्कि बोल्ड और प्रयोगात्मक गीतों को भी अपनी आवाज दी। 'दम मारो दम' और 'पिया तू अब तो आजा' जैसे गाने उस दौर के युवा वर्ग की दिलों के धड़कन बन गए। उनके ऐसे गीत जहां काफी चर्चित हुए वहीं विवादित भी रहे। समय बदलने के साथ ही ये गीत भारतीय संगीत के क्लासिक बन गए। उनकी यह क्षमता कि वे हर तरह के संगीत को सहजता से अपना लेती थीं, उन्हें अन्य गायकों से अलग बनाती थी।

अपने लंबे करियर में आशा भोसले ने कई महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल कीं। वे पहली भारतीय महिला गायिका बनीं जिन्हें ग्रैमी पुरस्कार नामांकन मिला। इसके अलावा, 2011 में उनके नाम पर सबसे अधिक स्टूडियो रिकॉर्डिंग का विश्व रिकॉर्ड दर्ज किया गया, जो उनकी अद्भुत कार्यक्षमता और निरंतरता को दशार्ता है।

यहां कहा जा सकता है कि संगीत की दुनियां में आशा भोसले की सबसे बड़ी विशेषता उनकी बहुमुखी प्रतिभा और नव से नवीन प्रयोग करने का साहस रहा है। उन्होंने कभी खुद को एक शैली तक सीमित नहीं रखा और हर नए प्रयोग को अवसर के रूप में अपनाया। यही कारण है कि वे भारतीय संगीत की सबसे प्रभावशाली और लंबे समय तक गीतों को अपनी आवाज देने वाली चुनिंदा गायिकाओं में गिनी जाती हैं। आज आशा भोसले भले हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उनकी आवाज न केवल संगीत बल्कि एक युग का प्रतिनिधित्व करती नजर आती है। एक ऐसा युग जिसने भारतीय फिल्म संगीत को विविधता, प्रयोग और अंतरराष्ट्रीय पहचान दी। उनकी यात्रा यह सिखाती है कि प्रतिभा के साथ यदि साहस और निरंतर सीखने की इच्छा हो, तो कोई भी कलाकार सीमाओं को पार कर इतिहास रच सकता है।

जलियांवाला बाग: आजादी की वो कीमत, जिसे हिंदुस्तान कभी नहीं भूलेगा

दिलीप कुमार पाठक

इतिहास के पन्नों में कुछ तारीखें ऐसी होती हैं जो स्याही से नहीं, बल्कि इंसानी लहू से लिखी जाती हैं। 13 अप्रैल 1919 की वह मनहूस शाम भी एक ऐसी ही तारीख थी, जिसने न केवल पंजाब की मिट्टी को लाल किया, बल्कि सोए हुए समूचे हिंदुस्तान की सोई हुई आत्मा को भी झकझोर कर रख दिया। अमृतसर का वह छोटा सा मैदान, जिसे दुनिया आज जलियांवाला बाग के नाम से जानती है, महज ईंट-पत्थरों का बना कोई स्मारक नहीं है। वह गवाह है उस अमानवीय बर्बरता का जिसे सुनकर आज भी रोंगटे खड़े हो जाते हैं, और वह प्रतीक है उस अटूट हौसले का जिसने दुनिया के सबसे बड़े ब्रिटिश साम्राज्य के पतन की नींव रख दी थी। बैसाखी का पावन दिन था। पंजाब के गाँवों और शहरों में उत्सव का माहौल होना चाहिए था। लोग नए कपड़े पहनकर मेलों की ओर बढ़ रहे थे, लेकिन अमृतसर की हवाओं में एक अजीब सी बेचैनी घुली हुई थी। पूरा देश रोलेट एक्ट जैसे काले कानून के खिलाफ गुस्से में उबल रहा था, जिसने बिना दलील और बिना वकील के किसी को भी जेल भेजने की ताकत अंग्रेजों को दे दी थी। इसी अन्याय के खिलाफ अपनी शांतिपूर्ण आवाज दर्ज कराने के लिए शाम के वक्त करीब बीस हजार लोग उस बाग में इकट्ठा हुए थे। उस विशाल भीड़ में मासूम बच्चे थे, अपने परिवारों के साथ आई महिलाएँ थीं और वे बुजुर्ग भी थे जो अमृतसर के स्वर्ण मंदिर में माथा टेकने के बाद सुस्ताने के लिए वहाँ रुके थे।

किसी को भी इस बात का रत्ती भर भी अंदाजा नहीं था कि अगले कुछ मिनट उनकी ज़िंदगी के आखिरी पल साबित होने वाले हैं। शाम के करीब सवा पांच बज रहे थे, जब अचानक जनरल रेजिनल्ड डायर अपने नब्बे सशस्त्र सैनिकों के साथ उस बेहद संकरे रास्ते से दाखिल हुआ, जो बाग के अंदर आने और बाहर जाने का एकमात्र मार्ग था। उसने न तो भीड़ को तितर-बितर होने की कोई चेतावनी दी और न ही शांति की कोई अपील की। उसने बस पत्थर दिल होकर एक क्रूर आदेश दिया–फायर! अगले दस मिनट तक जो मंजर वहाँ दिखा, वह मानवता के इतिहास पर सबसे गहरा और बदनुमा कलंक था। सैनिकों की रायफलें तब तक आग उगलती रहीं जब तक कि उनकी आखिरी गोली खत्म नहीं हो गई। बाग की दीवारें सात-आठ फीट ऊँची थीं और एकमात्र निकास द्वार पर मौत का पहरा था। लोग बदहवास होकर अपनी जान बचाने के लिए उन दीवारों पर चढ़ने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन डायर के सिपाही जानबूझकर उन्हीं को निशाना बना रहे थे। चीख-पुकार, धुएँ और मलबे के बीच, अपनी जान बचाने की जद्दोजहद में सैकड़ों लोगों ने उस पुराने कुएं में छलांग लगा दी, जिसे आज हम श्रद्धा से शहीदी कुआं कहते हैं। देखते ही देखते वह कुआं लाशों से पट गया। सरकारी रिकॉर्ड्स भले ही मरने वालों की संख्या 379 बताते हों, लेकिन हकीकत यह थी कि उस शाम हजारों घरों के चिराग हमेशा के लिए बुझ गए थे।

इस जघन्य हत्याकांड ने पूरी दुनिया की अंतरात्मा को हिलाकर रख दिया। यह वह ऐतिहासिक मोड़ था जहाँ से अंग्रेजों की भारत से विदाई की उल्टी गिनती शुरू हुई। इस घटना के विरोध में गुरुदेव रबींद्रनाथ टैगोर ने अपनी नाइटहुड की उपाधि त्याग दी और महात्मा गांधी का वह विश्वास पूरी तरह टूट गया जो वे कभी अंग्रेजी न्याय प्रणाली में रखते थे। जलियांवाला बाग के इसी खूनी मंजर ने एक 15 साल के किशोर ऊधम सिंह के भीतर प्रतिशोध का ऐसा लावा भरा कि उन्होंने 21 साल तक इस अपमान की आग को अपने सीने में जलाए रखा। अंततः साल 1940 में लंदन के कैक्सटन हॉल में जाकर उन्होंने जनरल ओडायर को मौत के घाट उतारा और दुनिया को बताया कि हिंदुस्तान अपने शहीदों का अपमान कभी नहीं भूलता।

यह जलियांवाला बाग ही था जिसने भगत सिंह जैसे अनगिनत क्रांतिकारियों के दिलों में आजादी का बीज बोया। कहते हैं कि भगत सिंह इस घटना के बाद कई मील पैदल चलकर यहाँ आए थे और इस बाग की खूनी मिट्टी को एक बोतल में भरकर ले गए थे, ताकि वह उन्हें हर पल गुलामी की बेड़ियों को तोड़ने की याद दिलाती रहे। आज, जब हम आजादी की खुली हवा में गर्व से सांस लेते हैं, तो हमें उन दीवारों की ओर एक बार जरूर देखना चाहिए जो आज भी गोलियों के निशानों को अपनी छाती पर लिए खड़ी हैं। वे निशान आज भी हमसे यह सवाल करते हैं कि जिस अखंड और मजबूत भारत के लिए उन्होंने अपना सीना छलनी करवाया था, क्या हम आज उस विरासत को संभाल पा रहे हैं? 13 अप्रैल का यह दिन केवल इतिहास को दोहराने या शोक मनाने का नहीं है, बल्कि यह खुद के भीतर झाँकने और अपनी राष्ट्रीय जिम्मेदारियों को समझने का दिन है। उन शहीदों के प्रति हमारी सच्ची श्रद्धांजलि यही होगी कि हम देश की एकता और अखंडता को किसी भी संकीर्ण सोच की भेंट न चढ़ने दें। जलियांवाला बाग की मिट्टी आज भी पवित्र है क्योंकि उसमें हमारे पुरखों का पसीना और लहू एक साथ मिला हुआ है। हमें यह हमेशा याद रखना होगा कि जिस आजादी का उत्सव हम मनाते हैं, उसकी जड़ें उसी बाग की नम और खूनी मिट्टी में कहीं गहरी धँसी हुई हैं। हिंदुस्तान उस महान बलिदान को कभी नहीं भूल सकता, और एक सजग नागरिक के तौर पर हमें भी इसे कभी विस्मृत नहीं होने देना चाहिए।

(लेखक पत्रकार हैं)

जनपद में यातायात पुलिस द्वारा यातायात नियमों के उल्लंघन करने पर काटे गए 435 चालान, हटाया गया अतिक्रमण

अमरोहा (सब का सपना):- रविवार को यातायात पुलिस के द्वारा जनपद के अलग-अलग स्थान पर चेकिंग की गई व अतिक्रमण हटवाया गया। इस दौरान यातायात नियमों के उल्लंघन करने वालों पर कठोर कार्रवाई की गई है। जिसके अंतर्गत 435 चालान काटे गए। मिली जानकारी के अनुसार अमरोहा जिलाधिकारी के आदेश के अनुपालन में 1 अप्रैल से 15 अप्रैल तक चलाए जा रहे विशेष अभियान के अंतर्गत व पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव के निर्देश पर जनपद भर में बिना फिटनेस, बिना परमिट स्कूली वाहनों आदि को चेक करने के लिए अभियान चलाया जा रहा है। जिसके अंतर्गत यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों पर यातायात पुलिस द्वारा कड़ा प्रहार किया जा रहा है। यातायात पुलिस के द्वारा पटाखे जैसी तेज ध्वनि उत्पन्न करने वाले मोडिफाइड साइलेंसर, मानक के विरोध नंबर प्लेट, तीन सवारी, बगैर हेलमेट, वाहनों पर जाति सूचक शब्दों का प्रयोग करने वालों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जा रही है। जिसके अंतर्गत रविवार को मोटर वाहन अधिनियम के अंतर्गत कुल 435 चालान किए गए एवं शहर के चौराहे तथा तिराहों से अतिक्रमण हटवाया गया। इस दौरान मोडिफाइड साइलेंसर स्कूटर से संबंधित अभियान के अंतर्गत उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध भी कठोर कार्रवाई की गई है। यातायात पुलिस के द्वारा स्पीड लेजर गन से ओवर स्पीड में चलते 125 वाहनों के विरुद्ध चालान की कार्यवाही भी की गई है।

अर्पित इंडेन गैस एजेंसी पर एलपीजी गैस पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध:- प्रबंधक देशराज सिंह

अमरोहा (सब का सपना):- शहर के आवास विकास कालोनी स्थित अर्पित इंडेन सेवा गैस एजेंसी पर एलपीजी गैस पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है। गैस की कमी या किसी भी प्रकार की समस्या को लेकर अफवाहें फैल रही थीं, लेकिन एजेंसी प्रबंधक देशराज सिंह ने स्पष्ट किया कि गैस स्टॉक पूरी तरह पर्याप्त है और नियमानुसार वितरण किया जा रहा है। प्रबंधक देशराज सिंह ने बताया कि लोगों को सिलेंडर लेने के लिए सबसे पहले गैस बुक करना अनिवार्य है। बुकिंग के बाद ही सिलेंडर उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि एजेंसी पर गैस की कोई कमी नहीं है और नियमित रूप से सप्लाई हो रही है। साथ ही होम डिलीवरी की सुविधा भी उपलब्ध है, जिसके माध्यम से ग्राहकों के घर पर ही सिलेंडर पहुंचाया जा रहा है।देशराज सिंह ने आश्वासन दिया कि अगले 10 दिनों तक गैस सिलेंडर की किसी भी प्रकार की समस्या नहीं होगी। उन्होंने लोगों से अपील की कि बिना बुकिंग के एजेंसी पर न आएं और नियमों का पालन करें। इससे वितरण व्यवस्था सुचारू बनी रहेगी और सभी ग्राहकों को समय पर गैस उपलब्ध हो सकेगी।उन्होंने यह भी कहा कि यदि किसी ग्राहक को बुकिंग या डिलीवरी में कोई परेशानी हो तो वे एजेंसी से सीधे संपर्क करें। अमरोहा शहर के साथ-साथ आसपास के क्षेत्रों में भी गैस की पर्याप्त उपलब्धता बनी हुई है। लोगों को घबराने की कोई जरूरत नहीं है।

साइबर अपराध से बचाव के लिए पुलिस द्वारा किया गया जागरूक

अमरोहा (सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक अमरोहा लखन सिंह यादव के निर्देशन में प्रभारी निरीक्षक थाना हसनपुर राजेश कुमार तिवारी और निरीक्षक अपराध द्वारा थाना परिसर में पीस कमेटी के सदस्यों को साइबर अपराध के संबंध में जागरूक किया गया। कार्यक्रम के दौरान साइबर ठगी के विभिन्न तरीकों की जानकारी देते हुए उनसे बचाव के उपाय बताए गए। साइबर अपराध से बचने के लिए आमजन को सतर्क रहने की अपील की गई। जागरूकता बढ़ाने के लिए पंपलेट वितरित किए गए। इन पंपलेट में साइबर अपराध से बचाव के टिप्स दिए गए हैं। इस दौरान अमरोहा पुलिस द्वारा आमजन से अपील की गई है कि किसी भी संदिग्ध कॉल, लिंक या लेन-देन से सतर्क रहें। साइबर अपराध होने पर तुरंत संबंधित हेल्पलाइन/थाने पर सूचना दें। साइबर अपराध से बचने के लिए कुछ तरीके भी है जैसे - अपने मोबाइल और कंप्यूटर में एंटीवायरस सॉफ्टवेयर इंस्टॉल करें। अनजान लिंक पर क्लिक न करें। अपने बैंक खाते और अन्य महत्वपूर्ण जानकारी को सुरक्षित रखें। किसी भी संदिग्ध कॉल या लेन-देन की सूचना तुरंत पुलिस को दें। अपने सोशल मीडिया अकाउंट की सुरक्षा को मजबूत बनाएं। ऑनलाइन शॉपिंग करते समय सावधानी बरतें। अपने पासवर्ड को नियमित रूप से बदलें। साइबर अपराधियों के द्वारा यह अपराध अलग-अलग तरीके से किया जा रहा है जैसे - फिशिंगः यह एक प्रकार का साइबर अपराध है जिसमें अपराधी आपको अपने बैंक खाते की जानकारी देने के लिए मजबूर करते है। रैंसमवेयरः यह एक प्रकार का साइबर अपराध है जिसमें अपराधी आपके कंप्यूटर को लॉक कर देते हैं और फिरौती की मांग करते हैं। साइबर स्टॉकिंगः यह एक प्रकार का साइबर अपराध है जिसमें अपराधी आपको ऑनलाइन परेशान करते हैं। साइबर अपराध की जानकारी तुरंत संबंधित हेल्पलाइन/थाने पर सूचना दें, साइबर अपराध की रिपोर्ट करने के लिए ऑनलाइन पोर्टल का उपयोग करें। अपने बैंक और अन्य संबंधित संस्थाओं को सूचित करें।

नॉलेज प्राइम लाइब्रेरी का किया गया उद्घाटन, शहर को मिली नई लाइब्रेरी

अमरोहा (सब का सपना):- शहर के वासुदेव रोड स्थित मोहल्ला फ्रेंड्स कॉलोनी में नॉलेज प्राइम लाइब्रेरी का भव्य उद्घाटन किया गया। लाइब्रेरी के प्रबंधक अजीत सिंह, महेश कुमार की माता सोमवती देवी ने मुख्य अतिथि के रूप में फीता काटकर उद्घाटन समारोह की शुरूआत की। इस मौके पर स्थानीय गणमान्य नागरिक और छात्र-छात्राएं बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। नई लाइब्रेरी में कुल 70 छात्र-छात्राओं को प्रशिक्षण दिया जाएगा। यहां आधुनिक सुविधाओं से युक्त वातावरण उपलब्ध कराया गया है। लाइब्रेरी 24 घंटे खुली रहेगी, जिसमें छात्र-छात्राएं टाइपिंग, कंप्यूटर कोर्स, जनरल कोचिंग और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर सकेंगे। उद्घाटन के दौरान लाइब्रेरी के मैनेजर अजीत सिंह ने कहा, आज के डिजिटल युग में छात्र-छात्राओं के लिए कंप्यूटर का ज्ञान अत्यंत आवश्यक है। हमारा प्रयास है कि युवा पीढ़ी को बेहतर सुविधाएं मिलें और वे अपने भविष्य को उज्ज्वल बना सकें। लाइब्रेरी में कंप्यूटर लैब, पढ़ने के लिए शांत कमरे, वाई-फाई, पीने का पानी और अन्य बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध हैं। स्थानीय लोगों ने इस पहल का स्वागत किया और उम्मीद जताई कि यह लाइब्रेरी अमरोहा के छात्र छात्राओं के लिए ज्ञान का महत्वपूर्ण केंद्र बनेगी। इस अवसर पर अजीत सिंह महेश कुमार ने सभी का आभार व्यक्त किया और कहा कि लाइब्रेरी को और बेहतर बनाने के लिए निरंतर प्रयास किए जाएंगे। इस मौके हरि मौर्य, राजकुमार अरुण निखिल जैन, डॉक्टर मुनेंद्र मोहन, महेश कुमार, रेनू, जयवीर सिंह, डॉक्टर धर्म सिंह, हेतराम सागर, डॉक्टर डी चंद्रा, वरन सिंह, मुन्ना लाल गौतम, विजेंद्र सिंह, निमोज यादव, देवेश सभासद, आदि मौजूद रहे।

अब नगर पालिका की एन. ओ. सी. के उपरांत ही होगा बिजली का कनेक्शन

अमरोहा (सब का सपना):- अगर आप नगर पालिका अमरोहा में निवास करते हैं तो आपको अपने मकान, दुकान आदि पर विधुत कनेक्शन के लिए नगर पालिका परिषद अमरोहा का ग्रहकर व जलकर देने के उपरांत ही नया बिजली कनेक्शन मिल सकेगा यदि आपकी दुकान या मकान नगर पालिका के अभिलेखों मे दर्ज नहीं है तो पहले उसको नगर पालिका मे दर्ज करवाना होगा उसके बाद ही आपको बिजली का कनेक्शन मिल सकेगा kइस सम्बन्ध मे जानकारी देते हुए नगर पालिका परिषद अमरोहा के उप नगर आयुक्त डॉ. बृजेश कुमार ने बताया की बीते दिनों जिलाधिकारी द्वारा जनपद के नगर विकास विभाग की बैठक लीं गयी बैठक के अंतर्गत जिलाधिकारी द्वारा निर्देशित किया गया की नगरीय निकायों के अंतर्गत स्थित सभी भवन स्वामी जो अपनी दुकान, मकान आदि पर विधुत का कनेक्शन लेना चाहते हैं ऐसे आवेदको के आवेदन के साथ संबंधित नगर निकाय के संपत्ति कर की जमा रसीद अथवा अनापत्ति प्रस्तुत किये जाने के उपरांत ही नये कनेक्शन देने की व्यवस्था की जाये, यदि कोई भवन, दुकान आदि नगर पालिका अभिलेखों मे दर्ज नहीं है तो उसे पालिका अभिलेखों ने दर्ज किया जाये। इससे जहाँ एक ओर संबंधित भवन, दुकान आदि पालिका राजस्व अभिलेखों ने दर्ज होंगी वही दूसरी ओर राजस्व प्राप्ति भी सुनिश्चित हो सकेगी।

जिलाधिकारी के आदेशों के अनुपालन मे पालिका अधिशासी अधिकारी ने अधिशासी अभियंता विधुत वितरण खंड 1 व 2 को पत्र जारी कर जिलाधिकारी के निदेशों से अवगत कराते हुए विधुत विभाग से अपेक्षा की गयी है की भविष्य मे नवीन विधुत संयोजन प्राप्त करने वाले सभी ऐसे आवेदन जिनकी संपत्ति / भवन नगर पालिका परिषद अमरोहा क्षेत्र मे स्थित है से आवेदन के साथ नगर पालिका परिषद अमरोहा मे जमा किये गए ग्रहकर - जलकर की रसीद अथवा अनापत्ति उपरांत ही नये कनेक्शन की कार्यवाही की जाये। जिससे शासन की मंशानुरूप समस्त नगरीय संपत्तियों को पालिका अभिलेखों मे सूचिबद्ध करने के साथ साथ संपत्ति करो की वसूली भी सुनिश्चित की जा सके।

एडीएम शैलेश कुमार दुबे ने संभाला तहसील धनोरा का चार्ज

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद की तहसील मंडी धनोरा में शैलेश कुमार दुबे ने उप जिलाधिकारी का पदभार संभाल लिया है। जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स द्वारा जारी स्थानांतरण आदेशों के तहत उन्हें यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंप गई है। उप जिलाधिकारी शैलेश कुमार दुबे को एक सक्रिय अधिकारी के रूप में जाना जाता है। जो फाइलों के बजाय धरातल पर उतरकर काम करने में विश्वास रखते हैं। पदभार ग्रहण करने के बाद उन्होंने अपनी प्राथमिकताएं स्पष्ट की। शैलेश कुमार दुबे ने कहा कि तहसील में आने वाले प्रत्येक फरियादी की समस्या को गंभीरता से सुना जाएगा। और उसका समयबद्ध समाधान सुनिश्चित किया जाएगा। उनकी कार्यशैली की मुख्य विशेषताओं में राजस्व मामलों का त्वरित निस्तारण शामिल है। खासकर लंबित भूमि विवादों और पैमाई से जुड़े मामले में वह केवल कार्यालय में बैठने की बजाय मौके पर जाकर शिकायत की जांच करने को प्राथमिकता देते हैं। कर्मचारी वर्ग में उनकी छवि एक अनुशासित अधिकारी की है। जो हमेशा कार्य को सही तरीके व समय से करने में विश्वास रखते हैं।

ओडीओपी ने गढ़े सफलता के नए आयाम

14 हजार को मिला रोजगार, अमेरिका-यूरोप तक गूंज रही अमरोहा के उत्पादों की धमक

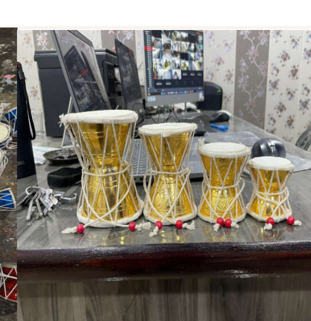

अमरोहा (सब का सपना):- उत्तर प्रदेश सरकार की 'एक जिला एक उत्पाद' (ओडीओपी) योजना अमरोहा के उद्यमियों और कारीगरों के लिए एक बड़ी सौगात साबित हुई है। इस योजना की बदौलत पिछले पांच वर्षों में जिले के ढोलक, रेडीमेड गारमेंट्स और मेटल व वुडन हैंडीक्राफ्ट उद्योग ने उत्पादन और निर्यात में अभूतपूर्व छलांग लगाई है। योजना से जुड़कर जिले में 4122 प्रत्यक्ष और 10,000 से अधिक अप्रत्यक्ष रोजगार के नए अवसर पैदा हुए हैं, जिसने युवाओं का पलायन रोका है और महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त किया है। 'स्टोनमैन क्राफ्ट' और 'राम म्यूजिकल' जैसे उद्यमों का सालाना टर्नओवर 10 से 60 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है, और उनके उत्पाद सात समंदर पार अपनी मजबूत पहचान बना चुके हैं। जिला उद्योग केंद्र के महाप्रबंधक अनूप श्रीवास्तव के अनुसार अब तक 2147 इकाइयों को योजना का सीधा लाभ दिया जा चुका है। योजना के अंतर्गत महिला और युवा उद्यमियों की भागीदारी में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। अब इस शानदार वैश्विक सफलता के बीच उद्यमियों का मानना है कि यदि शासन स्तर से इंडस्ट्रियल एरिया, सुलभ बैंक ऋण और विदेशी वेयरहाउस जैसी बुनियादी जरूरतों को और सुदृढ़ कर दिया जाए, तो अमरोहा का यह उद्योग देश की अर्थव्यवस्था में और भी बड़ा योगदान दे सकेगा।

सात समंदर पार अमरोहा की धाक और निफ्ट के डिजाइनर

अमरोहा की 'स्टोनमैन क्राफ्ट इंडिया प्राइवेट लिमिटेड' में तैयार होने वाले मेटल और वुडन हैंडीक्राफ्ट उत्पादों की विदेशों में भारी मांग है। 100 प्रतिशत निर्यात वाली इस कंपनी ने 50 से 60 करोड़ रुपये का सालाना टर्नओवर हासिल कर एक शानदार मिसाल पेश की है। पिछले 12 सालों से इस काम से जुड़े व कंपनी के प्रबंधक पंकज बिश्नोई ने बताया कि 95 फीसदी माल सीधे अमेरिका और शेष 5 फीसदी यूरोप को निर्यात किया जा रहा है। सबसे अहम बात यह है कि फैक्ट्री में वर्तमान में 1000 कर्मचारी काम कर रहे हैं, जिनमें से 80 फीसदी कामगार सिर्फ अमरोहा जिले के ही हैं, जबकि बाकी मुरादाबाद और आसपास के क्षेत्रों से आते हैं। सरकार द्वारा न्यूनतम वेतन में की गई वृद्धि और कंपनी द्वारा सालाना 5 से 10 प्रतिशत का इंक्रीमेंट दिए जाने से स्थानीय कारीगरों का जीवन स्तर सुधरा है। विदेशी ग्राहकों की उच्च मांग और वैश्विक प्रतिस्पर्धा में आगे रहने के लिए कंपनी ने 'नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी' (NIFT) के डिजाइनर्स को काम पर रखा है। ये पेशेवर डिजाइनर उत्पादों को नया और आकर्षक रूप देते हैं, जिससे अंतरराष्ट्रीय मेलों और बाजारों में इनके उत्पादों की अच्छी मांग रहती है।

व्यापार में 10 से 15 प्रतिशत का सीधा उछाल

जीआई (GI) टैग और ओडीओपी के बेहतरीन तालमेल ने अमरोहा के पुश्तैनी वाद्य यंत्र और गारमेंट उद्योग को नई ऊंचाइयां दी हैं। प्रबंधक राजीव कुमार के अनुसार, चौथी पीढ़ी द्वारा संचालित 'राम म्यूजिकल हैंडीक्राफ्ट' और उनकी अन्य दो कंपनियों (गणपति और अमरोहा एंटरप्राइजेज) का सालाना टर्नओवर 8 से 10 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। अमेजन और फ्लिपकार्ट जैसी ई-कॉमर्स साइट्स पर ये कंपनियां अपनी श्रेणी में भारत की टॉप सेलर बनकर उभरी हैं। ढोलक, तबला, पखावज, डमरू और इकतारा जैसे स्वदेशी वाद्य यंत्र अमेरिका, कनाडा, खाड़ी देशों, दक्षिण अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया और सिंगापुर सहित कई देशों में निर्यात किए जा रहे हैं। ढोलक को जीआई टैग मिलने के बाद से इस व्यापार में 10 से 15 प्रतिशत का सीधा उछाल आया है। पूरे भारत में ढोलक का ढांचा (शैल) केवल अमरोहा में ही बनता है और यहीं से पूरे देश में सप्लाई होता है।

पलायन पर लगी रोक, महिलाओं के हाथों में आई कमान

मुरादाबाद में पिछले 30 वर्षों से हैंड-क्राफ्ट का काम कर रहे 'तीर्थंकर टेक्सटाइल्स' के मालिक शमीश जैन ने ओडीओपी योजना से जुड़कर अमरोहा में अपनी नई अपैरल (कपड़ा) यूनिट शुरू की है। इस नई यूनिट में 25 फैब्रिक मशीनें और 500 सिलाई मशीनें लगाई गई हैं, जहां टी-शर्ट, जॉगर्स, विंटर वियर और इनर वियर तैयार किए जा रहे हैं। योजना के तहत मिली मदद से कंपनी के पास वर्किंग कैपिटल की समस्या दूर हुई है और उनका कारोबार करीब 20 प्रतिशत तक बढ़ गया है। पहले जहां कंपनी में 100-200 कर्मचारी काम करते थे, वहीं अब यह संख्या बढ़कर 400 के करीब पहुंच गई है। इस यूनिट में 30 फीसदी महिलाएं काम कर रही हैं, जिसे भविष्य में 70 प्रतिशत तक ले जाने का लक्ष्य है। इस बड़ी टेक्सटाइल यूनिट के खुलने से स्थानीय स्तर पर रोजगार का बड़ा संकट दूर हुआ है। जो कुशल कारीगर पहले काम की तलाश में नोएडा, गुरुग्राम और फरीदाबाद जैसे शहरों की ओर पलायन करते थे, उन्हें अब अपने घर के पास ही रोजगार मिल रहा है।

रफ्तार पकड़ते उद्योग की नई उम्मीदें और भविष्य की राह

ओडीओपी योजना से अमरोहा का व्यापार जिस तेज गति से बढ़ रहा है, उसे देखते हुए उद्यमियों के सामने अब उत्पादन क्षमता और निर्यात बढ़ाने की सुखद चुनौती है। करोड़ों रुपये का कारोबार कर रहे वाद्य यंत्र और हैंडीक्राफ्ट उद्योग अभी घरों और तंग गलियों से संचालित हो रहे हैं। वैश्विक मांग को पूरी करने के लिए उद्यमी अब सरकार से एक सर्वसुविधायुक्त इंडस्ट्रियल एरिया की आवश्यकता महसूस कर रहे हैं, ताकि लोडिंग-अनलोडिंग जैसी लॉजिस्टिक समस्याएं दूर हो सकें। इसके अलावा, उद्यमियों का सुझाव है

कि ओडीओपी के तहत बैंक ऋण की प्रक्रिया को कागजी औपचारिकताओं से निकालकर और अधिक सरल व सुलभ बनाया जाए, ताकि कोई भी होनहार कारीगर पूंजी के अभाव में पीछे न रहे। निर्यातकों को रिटर्न माल के भारी नुकसान से बचाने के लिए विदेशों में भारतीय वेयरहाउस की स्थापना की मांग भी उठ रही है। इन चुनौतियों को समझते हुए प्रशासन भी सकारात्मक है और आने वाले एक से दो वर्षों में रोजगार सृजन और निर्यात को बढ़ावा देने के लिए जनपद में कॉमन फैसिलिटेशन सेंटर बनाया जाना प्रस्तावित है तथा एक प्लेज पार्क के निर्माण की प्रक्रिया भी चल रही है।

पारदर्शी मॉनिटरिंग व्यवस्था

योजना को पारदर्शी और सुचारू रूप से लागू करने के लिए जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स के निर्देशन में हर महीने उद्योग बंधु की बैठक का आयोजन किया जाता है। इसके साथ ही मुख्य विकास अधिकारी द्वारा टूल किट और प्रशिक्षण कार्यों का नियमित निरीक्षण किया जाता है। वहीं, प्रशिक्षण के लिए लाभार्थियों का चयन शासनादेश के अनुसार निर्धारित जिला स्तरीय समिति द्वारा पूरी पारदर्शिता के साथ किया जाता है।

पुलिस द्वारा लूट की घटना मे वाछित अभियुक्त गिरफ्तार

अमरोहा (सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव के निर्देशन में जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में, अपर पुलिस अधीक्षक अखिलेश भदौरिया के मार्गदर्शन एवं क्षेत्राधिकारी नौगावा सादात अवधभान भदौरिया के निकट पर्यवेक्षण में तथा प्रभारी निरीक्षक शौकेन्द्र बालियान के कुशल नेतृत्व में थाना अमरोहा देहात पुलिस को बड़ी सफलता प्राप्त हुई है। थाना अमरोहा देहात पर पंजीकृत मु0अ0सं0 112/2026 धारा 126(2)/309(4)/317(2) बीएनएस व 3/25 आर्म्स एक्ट से संबंधित लूट की घटना मे वाछित अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार अभियुक्त से लूट की घटना की धनराशि 6200 रुपये बरामद किए गए हैं। अभियुक्त के विरुद्द अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है । घटना मे प्रयुक्त तमन्चा व मोटर साइकिल पूर्व मे दो बालअपचारी अभियुक्तो से बरामद की जा चुकी है। मिली जानकारी के अनुसार 12 अप्रैल को थाना अमरोहा देहात पुलिस द्वारा मुखबिर की सूचना पर उमरपुर फाटक सरकारी टयूबवैल के पास से लूट की घटना मे वाछित अभियुक्त का गिरफ्तार कर लूट की धनराशि बरामद की गयी। पुलिस के मुताबिक पूछताछ में अभियुक्त द्वारा बताया गया कि 02 अप्रैल को रात्रि मे समय करीब 10.30 बजे मालीपुर चौराहे के पास से मैने व अन्य दो अन्य साथियों ने एक व्यक्ति से 25 हजार रुपये छीनकर ले गये थे तथा घटना के बाद हम लोगो ने पैसे आपस मे बाट लिये थे घटना के बाद गिरफ्तारी से बचने के लिए हम लोग रिगस राजस्थान खाटू श्याम चले गये थे। घटना मे प्रयुक्त मोटर साइकिल व तमन्चा मेरे दोस्तो के पास था। उसी तमन्चे को दिखाकर ही हमने 25 हजार रुपये की लूट की थी। खबर लिखे जाने तक पुलिस के द्वारा अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही थी।

बहजोई में धूमधाम से निकली श्री अक्रूर जी महाराज की भव्य शोभा यात्रा

बहजोई/संभल(सब का सपना):- श्री अक्रूर जी महाराज के पावन जन्मोत्सव के अवसर पर शनिवार को बहजोई नगर में भव्य शोभा यात्रा का आयोजन किया गया। इस दौरान पूरे नगर में श्रद्धा, भक्ति और उत्साह का अद्भुत संगम देखने को मिला।

शोभा यात्रा का शुभारंभ बदायूं क्षेत्रीय विधायक महेश चंद्र द्वारा श्री अक्रूर जी महाराज की विधिवत आरती कर किया गया। यात्रा रघुनाथ मंदिर से प्रारंभ होकर सरार्फा बाजार, थाना परिसर के सामने से होते हुए ऊपरकोट नया बाजार मार्ग से वार्ष्णेय इंटर कॉलेज स्थित अक्रूर जी मंदिर पर पहुंचकर संपन्न हुई।

यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं का उत्साह चरम पर रहा। जगह-जगह लोगों ने फूल बरसाकर शोभा यात्रा का भव्य स्वागत किया। श्री सरार्फा वेलफेयर समिति द्वारा श्रद्धालुओं के लिए कोल्ड ड्रिंक वितरण की व्यवस्था की गई, जिससे सेवा भाव का भी सुंदर उदाहरण देखने को मिला।

शोभा यात्रा में शामिल आकर्षक झांकियों ने सभी का मन मोह लिया। विशेष रूप से भगवान नारायण और मां लक्ष्मी की झांकी श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र रही, जिसने पूरे माहौल को भक्तिमय बना दिया।

समापन के अवसर पर अक्रूर जी मंदिर परिसर में भक्तों को पूड़ी-सब्जी का प्रसाद वितरित किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। पूरे आयोजन के दौरान नगर भक्ति रस में डूबा नजर आया और श्री अक्रूर जी महाराज के जयकारों से वातावरण गूंज उठा।

सम्भल में हज यात्रियों की सहायता के लिए तरबियत कैम्प आयोजित

हाजियों को हज के अरकान, नियम और स्वास्थ्य संबंधी जानकारी दी गई

सम्भल(सब का सपना):- मरकजी मदरसा अहले सुन्नत अजमल उल उलूम, तेल मण्डी सम्भल में शनिवार को हज यात्रा पर जाने वाले हज यात्रियों की सहायता के लिए एक तरबियत (प्रशिक्षण) कैम्प का आयोजन किया गया। कैम्प में करीब 400 हाजियों को हज से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां दी गईं।

कैम्प के दौरान कारी वसी अशरफ ने स्क्रीन के माध्यम से हज के अरकान विस्तार से समझाए। उन्होंने एहराम बांधने की विधि, तवाफ करने का तरीका और उसके चक्कर सहित सभी जरूरी बातों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि हज के पांच दिन सबसे अहम होते हैं और इन दिनों में सही तरीके से इबादत करना ही असल हज माना जाता है।

ख़्वाजा कलीम अशरफ सम्भली ने मदीना शरीफ की अहमियत बताते हुए कहा कि वहां बेहद अदब और एहतराम के साथ पेश आना चाहिए। उन्होंने हाजियों को जन्नतुल बकी, जन्नतुल माला और अन्य ऐतिहासिक मसाजिद की जियारत करने की भी सलाह दी।

इस मौके पर शहर के प्रसिद्ध चिकित्सक डॉ. शाने रब ने हाजियों को स्वास्थ्य संबंधी जरूरी जानकारी दी और सामान्य बीमारियों की दवाइयों की किट वितरित की।

जिला हज ट्रेनर अब्दुल खालिक ने हज से जुड़े नियम और कानून बताते हुए कहा कि इस बार हज कमेटी द्वारा हाजियों की सुविधा के लिए बेहतर इंतजाम किए गए हैं। उन्होंने हाजियों को हैल्थ कार्ड साथ रखने और लगेज नियमानुसार ले जाने के निर्देश दिए। हज ट्रेनर तकी अशरफ एडवोकेट ने स्मार्ट वॉच के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि इस बार सभी हाजियों को जीपीएस युक्त घड़ी दी जाएगी, जिससे जरूरत पड़ने पर उन्हें आसानी से ढूंढा जा सकेगा। साथ ही हज सुविधा ऐप को डाउनलोड और उपयोग करने की प्रक्रिया भी स्क्रीन के माध्यम से समझाई गई। कार्यक्रम के अंत में हज ट्रेनर हाजी नदीम और मुहम्मद अहमद रजा ने हाजियों को हैल्थ कार्ड वितरित किए, जबकि उम्मे हबीबा ने महिलाओं को हज से जुड़े विशेष मसाइल बताए।

इस अवसर पर कारी तनजीम अशरफ, मुफ्ती आलम नूरी, मौलाना शमशाद, सैय्यद अब्दुल कदीर सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

मिशन शक्ति अभियान के तहत छात्राओं को बाल सुरक्षा और हेल्पलाइन नंबरों के प्रति किया जागरूक

सम्भल(सब का सपना):- मिशन शक्ति फेज-5 के अंतर्गत उत्तर प्रदेश पुलिस द्वारा जनपद में महिलाओं एवं बालिकाओं को जागरूक करने के लिए अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में शनिवार को मिशन शक्ति टीम ने बाल विवाह के खिलाफ कार्यरत प्रयत्न संस्था के साथ ब्रजरतन कन्या इंटर कॉलेज, सम्भल में एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया।

कार्यक्रम में मिशन शक्ति टीम की प्रभारी सब इंस्पेक्टर राखी चौधरी ने बालिकाओं को विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी दी। उन्होंने गुड टच और बैड टच के बारे में समझाते हुए कहा कि यदि कोई व्यक्ति गलत तरीके से छुए या गलत नजर से देखे तो तुरंत पुलिस हेल्पलाइन 112 पर सूचना दें। उन्होंने बताया कि किसी भी आपात स्थिति में पुलिस हमेशा सहायता के लिए तत्पर रहती है।

जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रन की सहयोगी प्रयत्न संस्था के प्रभारी गौरीशंकर चौधरी ने बच्चों को बाल अपराधों के प्रति जागरूक किया और बाल विवाह के खिलाफ जानकारी दी। उन्होंने कहा कि आसपास हो रहे किसी भी बाल अपराध की सूचना चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 या पुलिस 112 पर अवश्य दें। साथ ही महिला हेल्पलाइन 1090 की भी जानकारी दी गई। इस अवसर पर मिशन शक्ति टीम के साथ प्रयत्न संस्था के फील्ड कोऑर्डिनेटर सिराज अहमद एवं विद्यालय का स्टाफ मौजूद रहा।

बहजोई कोतवाली में S.P.E.L 3.0 के तहत छात्रों को पुलिस कार्यप्रणाली का दिया गया प्रशिक्षण

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- जनपद के कोतवाली बहजोई में रविवार को S.P.E.L 3.0 कार्यक्रम के अंतर्गत बहजोई महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं को पुलिस की कार्यप्रणाली एवं अनुभावनात्मक प्रशिक्षण के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को पुलिस व्यवस्था, कानून व्यवस्था और आधुनिक तकनीकी प्रणाली से अवगत कराना रहा।

इस दौरान पुलिस कर्मियों ने छात्र-छात्राओं को पुलिस एडमिनिस्ट्रेशन, कम्युनिकेशन सिस्टम, ई-गवर्नेंस, साइबर सिक्योरिटी और रोड सेफ्टी जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि किस प्रकार पुलिस विभाग आधुनिक तकनीकों का उपयोग कर अपराधों पर नियंत्रण और जनता की सुरक्षा सुनिश्चित करता है।

साइबर सिक्योरिटी के तहत छात्रों को ऑनलाइन ठगी, सोशल मीडिया अपराध और डिजिटल सुरक्षा के प्रति जागरूक किया गया। वहीं रोड सेफ्टी के बारे में ट्रैफिक नियमों का पालन करने, हेलमेट और सीट बेल्ट के महत्व तथा सुरक्षित वाहन चलाने के बारे में विस्तार से समझाया गया।

कार्यक्रम के दौरान छात्र-छात्राओं ने उत्सुकता के साथ सवाल भी पूछे, जिनका पुलिस ने सरल और स्पष्ट तरीके से जवाब दिया।

इस तरह का कार्यक्रम छात्रों के लिए ज्ञानवर्धक और प्रेरणादायक साबित हुआ। इस अवसर पर वरिष्ठ उपनिरीक्षक रविंद्र सिंह, उपनिरीक्षक देवेंद्र कुमार तथा उप निरीक्षक अशोक कुमार सहित थाना स्टाफ मौजूद रहा।

सपा कैंप कार्यालय पर महात्मा ज्योतिबा फुले की मनाई गई जयंती

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- जिला सम्भल समाजवादी पार्टी के कैंप कार्यालय बहजोई पर शनिवार को एक बैठक आयोजित की गई, जिसमें पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश पर महात्मा ज्योतिबा फुले की जयंती श्रद्धापूर्वक मनाई गई। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष एवं पदाधिकारियों ने महात्मा फुले के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष असगर अली अंसारी ने की। उन्होंने कहा कि महात्मा ज्योतिबा फुले का जन्म 11 अप्रैल 1827 को पुणे, महाराष्ट्र में हुआ था। वे 19वीं सदी के महान समाज सुधारक, विचारक, लेखक और क्रांतिकारी थे, जिन्होंने जीवनभर जाति-व्यवस्था, छुआछूत, बाल विवाह और स्त्री शिक्षा के अभाव जैसी सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ संघर्ष किया। उन्होंने सत्यशोधक समाज की स्थापना कर शोषित, वंचित और किसानों की आवाज बुलंद की।

जिला महासचिव कृष्ण मुरारी शंखधर ने कहा कि ज्योतिबा फुले ने अपनी पत्नी सावित्रीबाई फुले के साथ मिलकर वर्ष 1848 में लड़कियों के लिए देश का पहला स्कूल खोला। उस समय महिलाओं और दलितों को शिक्षा देना अपराध माना जाता था, लेकिन उन्होंने विरोध के बावजूद शिक्षा का दीप जलाया। उन्होंने कहा कि शिक्षा ही वह सशक्त माध्यम है जिससे समाज में व्याप्त असमानताओं को समाप्त किया जा सकता है।

बैठक में वक्ताओं ने महात्मा फुले के आदर्शों को अपनाकर भेदभाव रहित समाज बनाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम का संचालन जिला महासचिव कृष्ण मुरारी शंखधर ने किया।

इस अवसर पर विमलेश कुमारी, ओम प्रकाश प्रजापति, संजीव यादव, उमेश यादव, शोभित कुमार, सद्दाम कुरैशी, चेतन गुप्ता, अशोक राणा, योगेंद्र यादव, मुकेश यादव, रत्नेश भारती, कपिल देव, नेत्रपाल राणा, बब्बन मौर्य, वीरपाल यादव, साजिद कुरैशी, विनीत कुमार, मनीष कुमार, पप्पू शर्मा, नरेंद्र एडवोकेट, ललतेश यादव, अनिल यादव, सोनू दिवाकर, रेवाराम, विजय यादव, शेखर शर्मा सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

नॉमिनी विवाद में बीमा कंपनी को झटका, उपभोक्ता आयोग ने दो लाख रुपये देने का दिया आदेश

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- जनपद के ग्राम चंदौस चावड़ा निवासी स्व. जयवीर सिंह के दुर्घटना बीमा क्लेम मामले में जिला उपभोक्ता आयोग ने महत्वपूर्ण फैसला सुनाते हुए बीमा कंपनी को दो लाख रुपये की धनराशि ब्याज सहित अदा करने के आदेश दिए हैं। साथ ही मानसिक व आर्थिक क्षति के लिए अतिरिक्त मुआवजा भी देने को कहा गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार जयवीर सिंह ने अपने जीवनकाल में प्रथमा यूपी ग्रामीण बैंक, छाबड़ा में बचत खाते के माध्यम से प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना के तहत 20 रुपये जमा कर पॉलिसी ली थी और उसका नियमित भुगतान करते रहे। 29 जनवरी 2023 को खेत की रखवाली करते समय आवारा पशुओं की टक्कर से वह घायल हो गए थे, जिनकी 30 जनवरी 2023 को मृत्यु हो गई। नियमानुसार पोस्टमार्टम भी कराया गया।

मृतक की पत्नी संतोष देवी, जो बैंक खाते में नॉमिनी थीं, ने बीमा धनराशि के लिए आवेदन किया, लेकिन बीमा कंपनी ने यह कहते हुए क्लेम खारिज कर दिया कि पॉलिसी में नॉमिनी पुत्र योगेंद्र सिंह हैं। इसके बाद योगेंद्र सिंह ने दावा प्रस्तुत किया, जिसे बीमा कंपनी ने देरी का हवाला देकर अस्वीकार कर दिया।

मामले में उपभोक्ता मामलों के अधिवक्ता लव मोहन वार्ष्णेय ने जिला उपभोक्ता आयोग में परिवाद दायर किया। उन्होंने आयोग को बताया कि बैंक की ओर से गुमराह किए जाने के कारण क्लेम में देरी हुई, जबकि परिवादी ने नियत समय के भीतर प्रक्रिया पूरी की थी।

दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद आयोग ने बीमा कंपनी को निर्देश दिया कि वह योगेंद्र सिंह को दो लाख रुपये की बीमा धनराशि परिवाद दायर करने की तिथि से 7 प्रतिशत वार्षिक ब्याज सहित दो माह के भीतर अदा करे। इसके अलावा 25 हजार रुपये मानसिक कष्ट व आर्थिक हानि तथा 5 हजार रुपये वाद व्यय के रूप में देने के भी आदेश दिए गए। निर्धारित समय में भुगतान न होने पर 9 प्रतिशत वार्षिक ब्याज देना होगा।

एलएलएम में उत्कृष्ट प्रदर्शन पर शाइस्ता एडवोकेट का हुआ स्वागत

सम्भल (सब का सपना):- विकास दिव्यांग सेवा समिति ट्रस्ट की महिला मोर्चा की प्रदेश सचिव शाइस्ता एडवोकेट को एलएलएम तृतीय सेमेस्टर में उत्कृष्ट अंक प्राप्त होने पर ट्रस्ट के पदाधिकारियों द्वारा शनिवार को फूलमाला पहनाकर जोरदार स्वागत किया गया।

शाइस्ता एडवोकेट ने हकीम महताबुद्दीन हाशमी कॉलेज ऑफ लॉ, अमरोहा से एलएलएम तृतीय सेमेस्टर की परीक्षा में 500 में से 423 अंक प्राप्त कर 84.6 प्रतिशत अंक हासिल किए। उनकी इस उपलब्धि पर ट्रस्ट के पदाधिकारियों ने गर्व व्यक्त करते हुए इसे संगठन के लिए गौरवपूर्ण क्षण बताया।

पदाधिकारियों ने कहा कि शाइस्ता एडवोकेट की मेहनत और लगन से ट्रस्ट में खुशी की लहर है। उनकी सफलता महिला मोर्चा की कार्यकताओं और दिव्यांगजनों के लिए प्रेरणा का स्रोत है।

इस अवसर पर ट्रस्ट के राष्ट्रीय अध्यक्ष आस मोहम्मद, महिला मोर्चा की राष्ट्रीय अध्यक्ष भारत खलील, राष्ट्रीय महासचिव अजीम गाजी, याकूब मारूफ, तेजेंद्र, मनदीप सहित अन्य लोगों ने मिठाई खिलाकर और फूलमाला पहनाकर शाइस्ता एडवोकेट का सम्मान किया तथा उन्हें हार्दिक बधाई दी।

बाबा साहेब जयंती को लेकर बैठक संपन्न, 14 अप्रैल को निकलेगी शोभायात्रा

सम्भल (सब का सपना):- जनपद में रविवार को बाबा साहेब जन्मोत्सव समिति के सौजन्य से अंबेडकर पार्क, मोहल्ला सोतीपूरा में एक बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता सुधीर कुमार सागर ने की, जबकि संचालन संजय कुमार भारतीय ने किया।

बैठक में उपस्थित सभी सदस्यों ने अपने-अपने विचार व्यक्त किए। अध्यक्ष सुधीर कुमार सागर ने बताया कि बैठक का मुख्य उद्देश्य 14 अप्रैल को बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में निकाली जाने वाली शोभायात्रा की तैयारियों को अंतिम रूप देना था।

उन्होंने बताया कि शोभायात्रा अंबेडकर पार्क, सोतीपूरा से प्रारंभ होकर भदेसराय, हातिम सराय, कटरा मुशा खां, हिलाली सराय, एजेंटी चौराहा, आर्य समाज रोड, छंगा मल की कोठी के सामने से होते हुए बाजार गंज, मोहल्ला ठेर व कोतवाली के सामने से गुजरकर नगर पालिका परिषद सम्भल में संपन्न होगी। शोभायात्रा दोपहर 2 बजे से प्रारंभ की जाएगी।

बैठक में समिति के सभी सदस्यों को शोभायात्रा के सफल आयोजन के लिए अलग-अलग जिम्मेदारियां सौंपी गईं। कार्यक्रम का शुभारंभ डॉ. आनंद कुमार सिंह द्वारा फीता काटकर किया जाएगा, जबकि कमला देवी (पत्नी स्व. पूरन सिंह) दीप प्रज्वलित करेंगी। शोभायात्रा का नेतृत्व समिति अध्यक्ष सुधीर कुमार सागर करेंगे।

इस अवसर पर चंचल, संजीव कुमार, प्रमोद कुमार, विपिन कुमार, प्रिंस, अजय पाल, सुरेश कुमार, सुमित कुमार, हिमांशु, संग्राम सिंह, राजकुमार एडवोकेट, आशिक, प्रीतम सिंह, मोनू, बंटी, सचिन कुमार, अजय कुमार, कृष्णपाल, मानव, अशोक कुमार सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

पुलिस परिवार परामर्श केंद्र की बैठक, दस परिवारों का हुआ समझौता

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक जनपद सम्भल कृष्ण कुमार एवं अपर पुलिस अधीक्षक (उत्तरी) कुलदीप सिंह के निर्देशन तथा क्षेत्राधिकारी बहजोई डॉ. प्रदीप कुमार सिंह के मार्गदर्शन में चल रहे पुलिस परिवार परामर्श एवं सुलह-समझौता केंद्र की बैठक शनिवार को पुलिस लाइन मंडी समिति बहजोई में आयोजित की गई।

बैठक नियमित काउंसलिंग परामर्श केंद्र प्रभारी डॉ. रुकमपाल सिंह की देखरेख में संपन्न हुई। इस दौरान पति-पत्नी के बीच चल रहे आपसी विवादों को काउंसलर्स के सहयोग से सुलह-समझौते के आधार पर निस्तारित करने का प्रयास किया गया।

बैठक में कुल 80 पत्रावलियों पर सुनवाई की गई, जिनमें से 34 का निस्तारण किया गया।

वहीं 10 परिवारों को आपसी सहमति से मिलाया गया, जबकि 19 पत्रावलियां आवेदकों द्वारा रुचि न लेने के कारण बंद कर दी गईं। इसके अलावा 5 मामलों में विधिक कार्रवाई की संस्तुति की गई।

इस अवसर पर काउंसलर लव मोहन वार्ष्णेय, सीमा आर्य, श्वेता गुप्ता, बबीता शर्मा, कंचन माहेश्वरी, कांस्टेबल शहजाद मलिक तथा महिला आरक्षी ज्योति सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

लिफ्ट के बहाने बुजुर्ग महिला की हत्या, 6 घंटे में पुलिस ने किया खुलासा

मुठभेड़ में आरोपी गिरफ्तार, लूटा गया सामान व हथियार बरामद

शेरकोट /बिजनौर (सब का सपना):- बुजुर्ग महिला की हत्या के सनसनीखेज मामले का पुलिस ने महज 6 घंटे में खुलासा कर दिया। थाना प्रभारी वीरेन्द्र कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम ने आरोपी को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया।

जानकारी के अनुसार जनपद के शेरकोट क्षेत्र में लगभग 70 वर्षीय कश्मीरी देवी पत्नी रामपाल, निवासी नई बस्ती कालागढ़ (थाना अफजलगढ़) का शव शनिवार को सिंघाई की पुलिया के पास संदिग्ध परिस्थितियों में पड़ा मिला था। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी जीशान पुत्र शराफत, निवासी मोहल्ला नींचा (थाना नहटौर) ने बुजुर्ग महिला को धामपुर अस्पताल से लिफ्ट देने के बहाने बाइक पर बैठाया। सिंघाई की पुलिया के पास आरोपी ने लूटपाट का प्रयास किया। महिला के विरोध करने पर उसने पास पड़े पत्थर से वार कर उनकी हत्या कर दी और मोबाइल व नकदी लेकर फरार हो गया। पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपी को चिन्हित कर हिरासत में लिया। बरामदगी के दौरान आरोपी ने छिपाए गए तमंचे से पुलिस पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस की गोली उसके पैर में लगी, जिससे वह घायल होकर गिर पड़ा और मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से तमंचा, कारतूस, घटना में प्रयुक्त पत्थर, बाइक, लूटा गया मोबाइल और नकदी बरामद की है। घायल आरोपी का उपचार सीएचसी में कराया जा रहा है। बताया गया कि कश्मीरी देवी धामपुर स्थित नेत्र अस्पताल में इलाज कराने गई थीं और लौटते समय इस वारदात का शिकार हो गईं। घटना के शीघ्र खुलासे पर मृतका के परिजनों ने पुलिस कार्रवाई पर संतोष जताया है और आरोपी को कड़ी सजा दिलाने की मांग की है। पुलिस का कहना है कि आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

सड़क हादसे में सात वर्षीय बच्चे की मौत, मां और एक रिश्तेदार गंभीर रूप से घायल

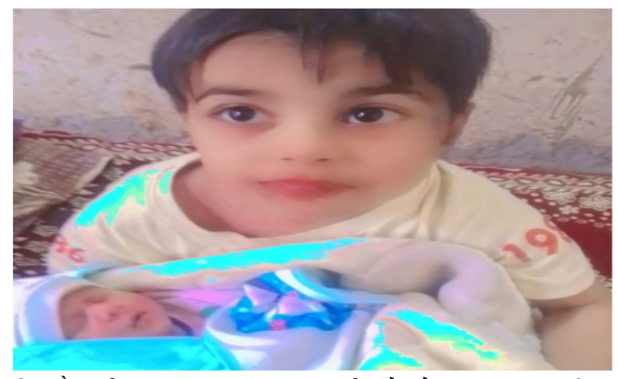

बिजनौर/नगीना (सब का सपना):- धामपुर रोड स्थित रामलीला बाग के पास हुए दर्दनाक सड़क हादसे में एक 7 वर्षीय बच्चे की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसकी मां और एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गए।

जानकारी के अनुसार, शेरकोट के मोहल्ला कुल्लाहा निवासी हुमा अपने रिश्तेदार अनस (21) पुत्र गीलू, निवासी मोहल्ला कुम्हड़ा शेरकोट के साथ रविवार सुबह करीब 10:15 बजे अपाचे बाइक से नगीना के मोहल्ला कलालान स्थित अपने मायके जा रही थीं।

इसी दौरान नगीना धामपुर रोड पर रामलीला बाग के सामने धामपुर की ओर जा रहे तेज रफ्तार कैंटर की चपेट में बाइक आ गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक पर बैठे 7 वर्षीय हम्माद के सिर में गंभीर चोट आई और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे में बाइक अनियंत्रित होकर सड़क पर गिर गई, जिससे अनस और हुमा भी गंभीर रूप से घायल हो गए।

घटना की सूचना मिलते ही क्षेत्राधिकारी राजेश कुमार और कोतवाली प्रभारी अवनीत मान पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। घायलों को तत्काल एंबुलेंस की मदद से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नगीना भेजा गया।

सीएचसी में चिकित्सकों ने हम्माद को मृत घोषित कर दिया, जबकि गंभीर रूप से घायल हुमा और अनस को प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल बिजनौर रेफर कर दिया गया।

पुलिस ने मृतक बच्चे के शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए बिजनौर मोर्चरी भेज दिया है। साथ ही हादसे के कारणों की जांच के लिए आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है।

हादसे की खबर मिलते ही परिजन अस्पताल पहुंच गए, जहां उनका रो-रोकर बुरा हाल है।

पुलिस का कहना है कि दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है और दोषी वाहन चालक के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

नहटौर को मिला अत्याधुनिक बस स्टेशन का तोहफा, मंत्रिपरिषद से मिली स्वीकृति, क्षेत्र के विकास को मिलेगी नई गति

बिजनौर (सब का सपना):- जनपद के नहटौर विधानसभा क्षेत्र के लिए एक बड़ी सौगात सामने आई है। नहटौर में अत्याधुनिक रोडवेज बस स्टेशन के निर्माण को उत्तर प्रदेश सरकार ने मंजूरी दे दी है। परिवहन विभाग के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर सिंह द्वारा जारी पत्र के अनुसार, 7 अप्रैल 2026 को मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में हुई। मंत्रिपरिषद की बैठक में नहटौर में पीपीपी मॉडल पर आधुनिक बस स्टेशन स्थापित करने की सैद्धांतिक स्वीकृति प्रदान की गई है। यह स्वीकृति नहटौर विधायक ओम कुमार के प्रयासों का परिणाम मानी जा रही है,

जिन्होंने क्षेत्र में बेहतर परिवहन सुविधाओं के लिए लगातार मांग उठाई थी।

यात्रियों को मिलेंगी आधुनिक सुविधाएं

प्रस्तावित बस स्टेशन में यात्रियों के लिए प्रतीक्षालय, टिकट काउंटर, स्वच्छ शौचालय, पार्किंग और अन्य आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। इससे न केवल स्थानीय लोगों को सुविधा मिलेगी, बल्कि आसपास के क्षेत्रों के आवागमन में भी बड़ा सुधार होगा।

क्षेत्रीय विकास को मिलेगा बढ़ावा

विशेषज्ञों का मानना है कि बस स्टेशन के निर्माण से नहटौर क्षेत्र में व्यापार, रोजगार और बुनियादी ढांचे के विकास को नई गति मिलेगी। स्थानीय लोगों ने इस निर्णय का स्वागत करते हुए इसे क्षेत्र के लिए ऐतिहासिक कदम बताया है।

दो सगी बहनों ने रचा इतिहास, 98% रहा स्कूल का रिजल्ट

स्योहारा/बिजनौर (सब का सपना):- ब्लॉक बुढ़नपुर के ग्राम रूपपुर स्थित सी.एम.एस एम. इंटर कॉलेज का वार्षिक परीक्षाफल घोषित किया गया, जिसमें विद्यालय का परिणाम 98 प्रतिशत रहा। उत्कृष्ट प्रदर्शन से विद्यालय में खुशी का माहौल है।

विद्यालय की छात्रा वंदना सागर अंबेडकर ने कक्षा आठवीं में 99.75 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान हासिल किया और क्षेत्र का नाम रोशन किया। वहीं उनकी सगी बहन रितिका सागर अंबेडकर ने 95.93 प्रतिशत अंक (1600 में से 1535 अंक) प्राप्त कर द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

दोनों छात्राएं ग्राम बेरखेड़ा, दौलताबाद निवासी अजयपाल सिंह की पुत्रियां हैं। एक ही परिवार की दो बेटियों द्वारा शीर्ष स्थान प्राप्त करने पर क्षेत्र में खुशी और गर्व का माहौल है।

विद्यालय के प्रधानाचार्य अरविंद कुमार ने टॉपर छात्राओं को स्मृति चिन्ह, मेडल और नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया। वंदना सागर को ₹1600 तथा रितिका सागर को ₹1000 की प्रोत्साहन राशि प्रदान की गई।

टॉपर वंदना सागर ने कहा कि वह आगामी हाईस्कूल और इंटरमीडिएट परीक्षाओं में भी इसी तरह मेहनत कर उच्च अंक प्राप्त करना चाहती हैं।

इस अवसर पर शिक्षिका यशोदा अगवानिया, रेखा देवी, मंजूषा सहित शिक्षक सोमपाल सिंह, देवराज, जावेद, नौबहार सिंह, अवनीश कुमार, नेतराम सिंह, धर्मपाल सिंह, रवेंद्र सिंह आनंद, धर्मवीर सिंह, बृजपाल सिंह आदि उपस्थित रहे।

विद्यालय परिवार ने सभी सफल छात्र-छात्राओं को उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

पंचायत उत्सव भवन का शिलान्यास, गांव को मिलेंगी आधुनिक सुविधाएं

बिजनौर (सब का सपना):- जनपद के अफजलगढ़ क्षेत्र के गांव कादराबाद में ग्रामीण विकास को नई दिशा देने की पहल के तहत रविवार को पंचायत उत्सव भवन का विधिवत भूमि पूजन कर शिलान्यास किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीणों की मौजूदगी रही और पूरे आयोजन में उत्साह का माहौल देखने को मिला। कार्यक्रम के दौरान क्षेत्रीय विधायक कुंवर सुशांत सिंह ने कहा कि सरकार की प्राथमिकता गांवों का समग्र विकास है और पंचायत स्तर पर आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए निरंतर कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि यह पंचायत उत्सव भवन ग्रामीणों के लिए सामाजिक, सांस्कृतिक और पारिवारिक आयोजनों का प्रमुख केंद्र बनेगा, जिससे लोगों को बाहर जाने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी।

एडीओ पंचायत ललित प्रताप सिंह ने जानकारी दी कि इस भवन का निर्माण करीब 1 करोड़ 41 लाख रुपये की लागत से कराया जाएगा। उन्होंने इसे अफजलगढ़ ब्लॉक ही नहीं, बल्कि पूरे जनपद का पहला आधुनिक पंचायत उत्सव भवन बताया। ग्राम प्रधान कैलाश चौधरी सहित अन्य ग्रामीणों ने इस पहल का स्वागत करते हुए कहा कि इससे गांव में आयोजनों के लिए स्थायी व्यवस्था उपलब्ध होगी और लोगों को काफी सहूलियत मिलेगी।

इस मौके पर ब्लॉक प्रमुख प्रदीप कुमार बबली, विधायक प्रतिनिधि नितिन चौहान, भाजपा मंडल अध्यक्ष जयप्रकाश बंजारा समेत कई जनप्रतिनिधि और ग्रामीण मौजूद रहे।

भीड़ का फायदा उठाकर जेब काटने वाला जेबकतरा धामपुर पुलिस ने किया गिरफ्तार

धामपुर/बिजनौर (सब का सपना):- जनपद के थाना धामपुर पुलिस ने जेबकतरी की वारदात का खुलासा करते हुए एक शातिर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी किए गए 34,500 नकद बरामद किए हैं।

पुलिस के अनुसार, 11 अप्रैल 2026 को मोहल्ला उत्तरी चौहान, सहसपुर निवासी राजपाल ने तहरीर देकर बताया था कि नगीना चौराहे के पास अज्ञात व्यक्ति ने उनकी जेब से करीब ₹35,000 चोरी कर लिए। इस मामले में थाना धामपुर में मुकदमा संख्या 120/2026 धारा 303(2) बीएनएस के तहत केस दर्ज किया गया।

पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए शनिवार को मुखबिर की सूचना पर आरोपी ताज मोहम्मद पुत्र शाकिर, निवासी कस्बा ककरौला थाना कटघर (जनपद मुरादाबाद) को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के दौरान आरोपी ने बताया कि वह धामपुर दवाई लेने आया था। नगीना चौराहे पर भीड़ का फायदा उठाकर उसने एक व्यक्ति की जेब से रुपये निकाल लिए और मौके से फरार हो गया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 34,500 (500 के 69 नोट) बरामद किए हैं। आरोपी के खिलाफ पूर्व में भी आपराधिक मामले दर्ज होने की जानकारी सामने आई है।

पुलिस ने आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में कार्रवाई करते हुए उसे न्यायालय में पेश करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जिले में अपराध पर अंकुश लगाने के लिए लगातार सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

शादी का झांसा देकर युवती से दुष्कर्म, आरोपी गिरफ्तार

बिजनौर (सब का सपना):- थाना क्षेत्र में शादी का झांसा देकर युवती से दुष्कर्म करने के मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया। घटना के बाद पीड़िता की शिकायत पर दर्ज मुकदमे में पुलिस ने सक्रियता दिखाते हुए आरोपी को दबोच लिया।

जानकारी के अनुसार, पीड़िता ने जनपद के मंडावर थाने में तहरीर देकर आरोप लगाया था कि मुरादाबाद के कांठ थाना क्षेत्र के ग्राम हाफिजपुर निवासी शिवम पुत्र अशोक कुमार ने शादी का वादा कर उससे संबंध बनाए, लेकिन बाद में शादी से इनकार कर दिया। इस पर पुलिस ने मुकदमा अपराध संख्या 86/2026, धारा 69 बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया था।

मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तत्काल कार्रवाई शुरू की और वांछित आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस के अनुसार, आरोपी को विधिक प्रक्रिया के तहत आगे की कार्रवाई के लिए न्यायालय भेजा जा रहा है।

इस कार्रवाई में उपनिरीक्षक मेन कुमार, हेड कांस्टेबल कपिल तोमर और कांस्टेबल अंकित की टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई जारी रहेगी और पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए हर संभव प्रयास किया जाएगा।

मुख्यमंत्री आरोग्य मेले का आयोजन, मरीजों का हुआ नि:शुल्क उपचार

सम्भल(सब का सपना):- जनपद में रविवार को 28 प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों एवं 5 नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर 248वें मुख्यमंत्री आरोग्य मेले का आयोजन किया गया। मेले में बड़ी संख्या में मरीजों ने पहुंचकर स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया।

मेले के दौरान 32 चिकित्सकों एवं 138 पैरामेडिकल स्टाफ की टीम ने कुल 2265 मरीजों का निःशुल्क उपचार किया, जिनमें 1093 पुरुष, 778 महिलाएं और 394 बच्चे शामिल रहे। इसके साथ ही आयुष्मान भारत जन-आरोग्य योजना के तहत 112 लाभार्थियों के गोल्डन कार्ड भी बनाए गए।

आरोग्य मेले में विभिन्न रोगों के मरीजों का उपचार किया गया। इनमें बुखार के 235, चर्म रोग के 481, दमा के 320, मधुमेह के 94, नेत्र रोग के 11, उच्च रक्तचाप के 106 तथा अन्य रोगों के मरीज शामिल रहे। बुखार से संबंधित 36 मरीजों की मलेरिया और 14 मरीजों की डेंगू जांच की गई, जिनकी सभी रिपोर्ट निगेटिव पाई गई।

सभी स्वास्थ्य केन्द्रों पर परिवार नियोजन संबंधी परामर्श एवं सामग्री उपलब्ध कराने के लिए अलग काउंटर स्थापित किए गए। वहीं आशा कार्यकताओं द्वारा सोर्स रिडक्शन एवं संचारी रोगों से बचाव के प्रति जागरूकता अभियान चलाया गया। एक युद्ध नशे के विरुद्ध अभियान के तहत 142 लोगों को तंबाकू छोड़ने के लिए परामर्श दिया गया। इसके अलावा मेले में 45 मरीजों को टेलीमेनस कंसल्टेंसी की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई।

आरोग्य मेले का निरीक्षण कार्यवाहक मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. पंकज कुमार बिश्नोई सहित अन्य जनपद स्तरीय अधिकारियों द्वारा किया गया।

प्याऊ से पानी पीते समय बीज विक्रेता को लगा करंट, मौत

बिजनौर (सब का सपना):- रविवार सुबह एक दर्दनाक हादसे ने सभी को झकझोर दिया, जहां बाजार में रेहड़ी-पटरी पर बीज बेचने वाले एक व्यक्ति की करंट लगने से मौत हो गई। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया और स्थानीय लोगों में दहशत फैल गई।

जानकारी के अनुसार बिजनौर के नूरपुर क्षेत्र में 40 वर्षीय राजेन्द्र उर्फ राजू पुत्र रामलाल, निवासी हल्दौर, नूरपुर के बुध बाजार में बीज बेचने का काम करता था। रविवार सुबह वह रोज की तरह बाजार में अपना काम कर रहा था। इसी दौरान उसे प्यास लगी, जिसके चलते वह पास में स्थित शिव मंदिर के निकट लगी प्याऊ (फ्रीजर) से पानी पीने चला गया।

बताया जा रहा है कि जैसे ही राजेन्द्र ने पानी पीने के लिए फ्रीजर को छुआ, उसे अचानक तेज करंट लग गया। करंट लगते ही वह सड़क पर गिर पड़ा और मौके पर ही तड़पने लगा। आसपास मौजूद लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने उसे उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नूरपुर पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

घटना की सूचना मिलते ही मृतक के परिजनों में कोहराम मच गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आगे की वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी है। थाना प्रभारी नूरपुर ने बताया कि प्रारंभिक जांच में फ्रीजर में करंट आने के कारण हादसा होने की पुष्टि हुई है।

ब्राह्मण सभा की बैठक आयोजित, पुरानी कार्यकारिणी भंग कर नई टीम का गठन

चन्दौसी/सम्भल(सब का सपना):- श्री ब्राह्मण सभा चन्दौसी की एक आवश्यक बैठक सीता रोड स्थित केवी रायल सोसायटी के सभागार में आयोजित की गई। बैठक में संरक्षक मंडल ने सर्वसम्मति से मौजूदा कार्यकारिणी को भंग कर नई कार्यकारिणी का गठन किया। इसमें पंकज शर्मा को अध्यक्ष और विकास उपाध्याय को महामंत्री चुना गया।

बैठक की शुरूआत भगवान परशुराम के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित व माल्यार्पण के साथ हुई। संरक्षक रामाशंकर गौड़ ने कहा कि ब्राह्मण सभा पिछले लगभग 50 वर्षों से समाज में सक्रिय भूमिका निभा रही है, लेकिन हाल के वर्षों में संगठन कमजोर हुआ है। उन्होंने कहा कि भगवान परशुराम की शोभायात्रा निकालना सभा का मुख्य उद्देश्य रहा है, जो पिछले दो वर्षों से नहीं हो पा रही है। डॉ. राजीव लोचन शर्मा और पूर्व प्रधानाचार्य अवध किशोर शर्मा ने युवाओं को आगे आकर संगठन को मजबूत करने का आह्वान किया। वक्ताओं ने कहा कि नई कार्यकारिणी में युवाओं की भागीदारी से संगठन को नई ऊर्जा मिलेगी और समाजहित के कार्यों को गति मिलेगी।

संरक्षक मंडल ने नई कार्यकारिणी में निशांत शर्मा, अवनेश शर्मा, विकास मिश्रा एडवोकेट व अंकुश गौड़ को उपाध्यक्ष, शुभम शर्मा व सचिन शर्मा को नगर मंत्री तथा प्रभाकर शर्मा को नगर कोषाध्यक्ष बनाया। साथ ही नई टीम को जल्द ही कार्यकारिणी विस्तार करने के निर्देश दिए गए।

बैठक में 19 अप्रैल को भगवान परशुराम जन्मोत्सव के अवसर पर अधिक से अधिक संख्या में समाज के लोगों से शोभायात्रा में शामिल होने की अपील की गई।

कार्यक्रम की अध्यक्षता अवध किशोर शर्मा ने की तथा संचालन कवि माधव मिश्र ने किया। इस दौरान दिनेश कुमार शर्मा, जयशंकर शर्मा, संजीव शर्मा, श्याम सुंदर दुबे, सतीश शर्मा, विपिन शर्मा, ब्रह्मस्वरूप शर्मा, डॉ. जयशंकर दुबे, देवेन्द्र शर्मा, नरेश शर्मा, विनोद शर्मा सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

मेजर दिवारी लाल को शिक्षक कर्तव्यनिष्ठ सम्मान से नवाजा गया

सम्भल(सब का सपना):- सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता समिति उत्तर प्रदेश द्वारा हिन्द इंटर कॉलेज के सेवानिवृत्त हिन्दी प्रवक्ता मेजर दिवारी लाल को वर्ष 2025 के शिक्षक कर्तव्यनिष्ठ सम्मान से सम्मानित किया गया।

समिति के अध्यक्ष हरद्वारी लाल गौतम एवं महासचिव कुसुम ने बताया कि मेजर दिवारी लाल ने हिन्द इंटर कॉलेज में लगभग 37

वर्षों तक पूर्ण लगन, निष्ठा और ईमानदारी के साथ शिक्षण कार्य किया। उनके पढ़ाए हुए अनेक छात्र आज विभिन्न उच्च पदों पर कार्यरत हैं। वह इसी वर्ष 31 मार्च को सेवानिवृत्त हुए हैं।

इस अवसर पर समिति के अध्यक्ष हरद्वारी लाल गौतम, महासचिव कुसुम तथा सचिव चिंकी दिवाकर ने उन्हें सम्मानित करते हुए उनके योगदान की सराहना की और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

ट्रैक्टर पलटने से युवक की मौत, पोस्टमार्टम के बाद किया गया अंतिम संस्कार

बुगरासी/बुलंदशहर (सब का सपना):- एक युवक की ट्रैक्टर के पलटने से नीचे दबकर दर्दनाक मौत हो गई। परिजनों ने पोस्टमार्टम के बाद शव का अंतिम संस्कार कराया। जनपद के बुगरासी चौकी क्षेत्र के गांव निजामपुर बांगर निवासी 28 वर्षीय नरेन्द्र सिंह पुत्र लक्ष्मण लोधी शनिवार को पलवाडा अपनी ससुराल से ट्रैक्टर लेकर गांव लौट रहा था। इसी दौरान ट्रैक्टर चंदियाना-बसी मार्ग पर खेत में पलट गया। देर शाम हुई घटना में जब तक परिजन व पुलिस मौके पर पहुंची तब तक ट्रैक्टर के नीचे दबने से युवक की मौत हो चुकी थी। पुलिस ने पंचनामा भरकर रात्रि में शव पोस्टमार्टम को मोर्चरी भेजा।

जिसके बाद रविवार को मृतक का गंगाघाट पर गमगीन माहौल में अंतिम संस्कार कर दिया गया।

भाजपा के स्थापना दिवस के उपलक्ष में ग्राम - बस्ती चौपाल अभियान के अंतर्गत उमड़ा जन सैलाब

डिबाई/बुलंदशहर (सब का सपना):- भारतीय जनता पार्टी के स्थापना दिवस कार्यक्रम के उपलक्ष्य में आयोजित ग्राम-बस्ती चलो अभियान के अंतर्गत डिबाई विधानसभा क्षेत्र के ग्राम सतोहा में ग्राम चौपाल आयोजन किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि डिबाई की पूर्व विधायक डॉ अनीता लोधी रही। जनता के बीच खासी लोकप्रिय डॉ अनीता लोधी के स्वागत के लिए ग्रामीणों में उत्सुकता देखने को मिली। ग्राम के मुख्य द्वार से सभा स्थल तक ग्राम वासियों द्वारा फूलमालाओं से डॉ लोधी का स्वागत किया गया।

इस दौरान डॉ अनीता लोधी ने अपने संबोधन में कहा कि भारतीय जनता पार्टी बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, कन्या विद्याधन, गोद भराई, अन्नप्राशन, उज्ज्वला गैस जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से महिलाओं को आगे बढ़ाने को प्रयासरत है, वहीं किसान सम्मान निधि द्वारा कृषकों के जीवन स्तर में सुधार कर उन्हें समाज का सम्मानित अंग बनाने हेतु प्रयासरत है। पूर्व मंडल अध्यक्ष उमेश शर्मा ने सभा का शुभारंभ करते हुए सभा की रूपरेखा उपस्थित जन समुदाय के समक्ष रखी। मंडल अध्यक्ष मुकेश चौधरी और डिबाई विधानसभा क्षेत्र के पधारे हुए ग्राम प्रधानों द्वारा डॉक्टर अनीता लोधी का विशाल फूल माला के द्वारा अभिनंदन किया। वहीं डॉ अनीता लोधी ने समस्त वयोवृद्ध नागरिकों का अभिनंदन किया। कार्यक्रम का संचालन ओम प्रकाश लोधी द्वारा किया गया। जबकि सभा की अध्यक्षता चंद्रपाल सिंह लोधी द्वारा की गई। इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी से जुड़े पदाधिकारी और कार्यकर्ता के रूप में उपस्थित पूर्व चेयरमैन विवेक वशिष्ठ,ग्राम प्रधान सोरला मुकेश कुमार लोधी,ग्राम प्रधान रह्मापुर नरेश कुमार,ग्राम प्रधान घुसराना नीरज लोधी, भारतीय जनता पार्टी वरिष्ठ कार्यकर्ता दीपक देव शर्मा,लक्ष्मण सिंह फौजी, चेतराम सिंह लोधी, संतोष गोस्वामी, हेमराज सिंह डायरेक्टर डी सी डी एफ, सुरेंद्र कुमार वर्मा डायरेक्टर सहकारी समिति,पी. पी. सिंह पूर्व प्रबंधक,ग्राम प्रधान भीमपुर टिंकू लोधी,ग्राम प्रधान मऊ धीरेंद्र सिंह,ग्राम प्रधान रामघाट लक्ष्मण शर्मा, सौरभ गुप्ता बेलौन,सहित सैकड़ो की संख्या में महिला पुरुष भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

विधायक चंद्रपाल सिंह लोधी ने दिखाई स्कूल चलो अभियान रैली को हरी झंडी

नए सत्र के लिए पुस्तकों का वितरण, छात्रों को प्रोत्साहित कर अभिभावकों से अधिक नामांकन की अपील

डिबाई/बुलंदशहर (सब का सपना):- रामघाट प्राथमिक विद्यालय नगला सुमाली, न्याय पंचायत जरगवा में स्कूल चलो अभियान के तहत जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ क्षेत्रीय विधायक चंद्रपाल सिंह लोधी (सी.पी. सिंह लोधी) ने हरी झंडी दिखाकर किया।

इस अवसर पर विद्यालय द्वारा तैयार किए गए स्कूल चलो अभियान के नवनिर्मित कैलेंडरों का भी विमोचन किया गया। साथ ही नवीन शैक्षिक सत्र 2026-27 के तहत विधायक के करकमलों द्वारा विद्यार्थियों को नई पाठ्यपुस्तकों का वितरण किया गया। कार्यक्रम के दौरान विधायक ने नवप्रवेशित सहित सभी छात्रों को चॉकलेट वितरित कर उनका उत्साहवर्धन किया और उन्हें नियमित रूप से विद्यालय आने व मन लगाकर पढ़ाई करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने विद्यालय के अनुशासन, शिक्षण व्यवस्था और वातावरण की सराहना करते हुए ग्रामीणों से अपील की कि अधिक से अधिक अभिभावक अपने बच्चों का नामांकन सरकारी विद्यालयों में ल्ल कराएं, जिससे वे सरकारी योजनाओं का लाभ उठा सकें।

विधायक ने विद्यालय में मिड-डे मील के तहत तैयार तहरी का स्वाद भी चखा और उसे स्वादिष्ट एवं गुणवत्तापूर्ण बताया। इस दौरान छात्र-छात्राओं द्वारा कला प्रतियोगिता में बनाई गई कलाकृतियों को भी विधायक को प्रदर्शित किया गया, जिसकी उन्होंने प्रशंसा की।

विद्यालय परिवार की ओर से विधायक सहित सभी अतिथियों को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन प्रधानाध्यापक सोमेंद्र कुमार द्वारा किया गया। इस अवसर पर रघुराज सिंह (पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष), गजराज सिंह (पूर्व प्रधानाचार्य, नरौरा), सुधीर कुमार राजपूत, डेबिट कुमार, संजीव कुमार, मिथिलेश देवी, लक्ष्मी देवी (आंगनबाड़ी) सहित अभिभावक एवं क्षेत्र के गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

स्कूल चलो अभियान के अंतर्गत उ.प्र. विद्यालय में वार्षिकोत्सव का किया गया आयोजन

पहासू/बुलंदशहर (सब का सपना):- उच्च प्राथमिक विद्यालय बनैल में स्कूल चलो अभियान एवं वार्षिक उत्सव कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्राथमिक शिक्षक संघ के जिला संरक्षक देवेंद्र कुमार भारद्वाज एवं जिलाध्यक्ष सुशील कुमार शर्मा तथा

कार्यक्रम का संचालन तनुज कुमार शर्मा ने किया।

कार्यक्रम के अंतर्गत विगत वर्ष प्रत्येक कक्षा में प्रथम, व द्वितीय स्थान प्राप्त छात्रों को शील्ड, कॉपियां, व पेन आदि वितरित किए गए,इसके अतिरिक्त अन्य छात्रों को निःशुल्क पाठ्य पुस्तके, कॉपियां, आदि वितरित की गई।

इसके अतिरिक्त कक्षा01 में नवीन प्रवेशित छात्रों, व उपस्थित अभिभावकों को सम्मानित भी किया गया। इस अवसर पर जिला मीडिया प्रभारी तेजप्रकाश शर्मा, ब्लॉक अध्यक्ष अखिलेश कुमार शर्मा, उत्तर प्रदेश वेतन भोगी सहकारी समिति के अध्यक्ष तेजप्रकाश शर्मा, प्रधानाध्यापक राजबाला शर्मा इकरामुद्दीन चंद्रपाल शर्मा सत्यपाल सिंह गुलजार सिंह गौरव कुमार रूबी त्यागी सीमा देवी राजकुमार सिंह राजीव कुमार शर्मा आदि का सहयोग रहा।

बुगरासी चौकी परिसर में अंबेडकर जयंती को लेकर किया गया बैठक आयोजन

बुगरासी/बुलंदशहर (सब का सपना):- जनपद के बुगरासी चौकी के प्रांगण में सीओ स्याना व एसडीएम स्याना ने अंबेडकर जयंती के मद्देनजर बैठक का आयोजन कर समिति के सदस्यों से विस्तार से चर्चा की। सीओ स्याना रामकरन सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि बाबा सहाब भीमराव अंबेडकर जी की सच्ची श्रद्धांजलि वह होगी कि उनके बताए मार्ग पर जलकर उन्ही की तरह समाज का कल्याण करो। उन्होंने यह भी बताया कि शोभा यात्रा में कोई भी अधिक आवाज में डीजे नही बजायेगा। जाति सूचक नारे बाजी नही होगी। शराब कोई नहीं पियेगा। हुड़दंग भी कोई नही करेगा। किसी भी व्यक्ति की बेइज्जती कोई नही करेगा। उन्होंने यह भी कहा है की अगर कोई ऐसा करता पाया गया तो सख्त कानूनी कार्रवाई होगी। एसडीएम स्याना रविन्द्र कुमार ने अपने संबोधन मे बताया कि बाबा सहाब ने किसी एक जाति के लिये नही बल्कि समस्त जाति की महिलाओं के लिये जो किया अपने आपे में एक मिशाल है।

उन्होंने कहा बाबा साहब की विचारधारा अपने जीवन में उतरना ही आवश्यक है। बैठक को एसओ नरसेना रामकिशोर गौतम ने भी संबोधित किया।इस दौरान सीओ स्याना रामकरन सिंह एसडीएम स्याना रविन्द्र कुमार एसओ नरसेना रामकिशोर गौतम चौकी प्रभारी बुगरासी नीटू सिंह पुलिस बल के साथ मौजूद रहें। इस मौके पर अंकित कुमार ईश्वर कुमार नौरत्न मास्टर रामरूप प्रेम चंद नीलम गौतम सतेन्द्र कुमार मास्टर सहब सिंह शक्तिसिंह सहित सैकड़ों क्षेत्र वासी मौजूद रहें।

भाजपा के स्थापना दिवस पर केशोपुर सठला में ग्राम चौपाल का आयोजन

बीबीनगर बुलंदशहर (सब का सपना):- कस्बा केशोपुर सठला में भारतीय जनता पार्टी के स्थापना दिवस पर ग्राम चौपाल का आयोजन किया गया। इस दौरान ग्रामीण व कार्यकर्ता उपस्थित रहे सभी ने अपने-अपने विचार रखें। सर्वप्रथम वीरेंद्र शर्मा और नारायण गुरु द्वारा प्रमुख नरेंद्र सिरोही का पगड़ी पहनाकर स्वागत किया गया। मंडल अध्यक्ष सचिन अहलावत का प्रमोद शर्मा द्वारा माल्यार्पण किया गया। ग्राम चौपाल के मुख्य अतिथि ब्लॉक प्रमुख पति नरेंद्र सिरोही और विशिष्ट अतिथि बीजेपी के मंडल अध्यक्ष सचिन अहलावत रहे। ब्लॉक प्रमुख नरेंद्र सिरोही द्वारा पार्टी के स्थापना और पार्टी के द्वारा किए गए कार्यक्रमों पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर पवन पूर्व प्रमुख, दीपक चौधरी मंडल संयोजक ग्राम बस्ती चौपाल चलो अभियान,शिवकिशोर सैनी, ब्रजकिशोर शर्मा गुड्डू प्रधान, सुरेंद्र गिरी, गौरव शर्मा, दीपांशु गालव,राकेश शर्मा, योगेश जगदीश, दीपक शर्मा, अभिषेक शर्मा, अन्नू पंडित, सौरभ मास्टर जी मां शारदा कोचिंग,राजू पंडित इत्यादि एवं शिव सेवा समिति केशोपुर सठला के सभी पदाधिकारी शामिल रहे।

जनजागरण से निर्णायक चरण की ओर बढ़ता श्री कृष्ण जन्मभूमि मुक्ति आंदोलन: महेंद्र प्रताप

बुलंदशहर (सब का सपना):- श्री कृष्ण जन्मभूमि मुक्ति आंदोलन अब एक संगठित जनअभियान के रूप में उभरता नजर आ रहा है। उत्तर, दक्षिण और पश्चिम भारत में व्यापक जनजागरण के बाद तीसरे चरण की रथ यात्रा शनिवार को मथुरा पहुंची, जहां इसे आंदोलन के लिए एक महत्वपूर्ण पड़ाव माना जा रहा है। रामेश्वरम से पंढरपुर होते हुए करीब 2000 किलोमीटर की दूरी तय कर पहुंची इस यात्रा ने देशभर में 125 से अधिक स्थानों पर सभाओं के माध्यम से मुद्दे को जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास किया।

मथुरा पहुंचने पर यात्रा में शामिल संतों और यात्रियों ने सबसे पहले श्री कृष्ण जन्मभूमि स्थल पर दर्शन किए और उसके बाद सलेमपुर रोड स्थित केडीएस इंटरनेशनल स्कूल में आयोजित सभा में भाग लिया। यहां श्री कृष्ण जन्मभूमि प्रकरण के हिन्दू पक्षकार एवं श्री कृष्ण जन्मभूमि मुक्ति न्यास के अध्यक्ष महेंद्र प्रताप सिंह एडवोकेट की अगुवाई में यात्रा का औपचारिक स्वागत किया गया।

सभा को संबोधित करते हुए संयुक्त भारतीय धर्म संसद के राष्ट्रीय अध्यक्ष आचार्य राजेश्वर महाराज ने कहा कि यह यात्रा केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि एक संगठित जागरूकता अभियान है, जिसका उद्देश्य देश के आमजन तक श्री कृष्ण जन्मभूमि की वास्तविक स्थिति को पहुंचाना है। उन्होंने बताया कि यात्रा के दौरान विभिन्न राज्यों में लोगों का व्यापक समर्थन मिला और अधिकांश लोगों ने मूल गर्भगृह स्थल पर मंदिर निर्माण की आवश्यकता पर सहमति जताई।

महेंद्र प्रताप सिंह एडवोकेट ने अपने संबोधन में श्री कृष्ण जन्मभूमि से जुड़े ऐतिहासिक घटनाक्रम, मंदिर ध्वंस और वर्तमान न्यायिक प्रक्रिया का विस्तार से उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि आंदोलन अब केवल एक क्षेत्रीय मुद्दा नहीं रह गया है, बल्कि यह राष्ट्रीय स्तर पर संवाद का विषय बन चुका है। साथ ही उन्होंने संकेत दिए कि आगामी समय में इस जनसमर्थन को संगठित दिशा देने के लिए रणनीति और तेज की जाएगी।

चिंतामणि कुंज, वृंदावन के पीठाधीश्वर महामंडलेश्वर डॉ. आदित्यानंद महाराज ने यात्रा की भूमिका को रेखांकित करते हुए कहा कि ऐसे अभियान समाज को जोड़ने का कार्य करते हैं और इससे आंदोलन को व्यापक आधार मिलता है। पद्मश्री डॉ. लक्ष्मी गौतम ने नारी शक्ति की भागीदारी को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि महिलाओं को इस विषय की जानकारी परिवार के प्रत्येक सदस्य तक पहुंचानी चाहिए, जिससे सामाजिक स्तर पर जागरूकता और मजबूत हो।

संत श्यामानंद महाराज ने इसे दीर्घकालिक प्रयास बताते हुए कहा कि यह आंदोलन निरंतर जनसहयोग से आगे बढ़ रहा है। वहीं हिमालय क्षेत्र से आए संत गणेश दत्त महाराज ने विश्वास जताया कि लक्ष्य अब दूर नहीं है। मथुरा होटल एसोसिएशन के सचिव आर.बी. चौधरी ने भी एकजुटता को आंदोलन की सबसे बड़ी ताकत बताया।

कार्यक्रम के अंत में कुंवर दामोदर सिंह ने यात्रा में शामिल सभी संतों और श्रद्धालुओं का आभार व्यक्त किया और आंदोलन की सफलता की कामना की।

इस अवसर पर पंडित नंदकिशोर दयालपुरा, त्रिकाल स्वामी भूपेश चौबीसा, डॉ. लता शर्मा, वंदना शर्मा, प्रदीप जैन सहित विभिन्न संगठनों के पदाधिकारी, संत-समाज के प्रतिनिधि और बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

महात्मा ज्योतिबा फुले जयंती पर मुफ्त स्वास्थ्य परीक्षण शिविर आयोजित

बुलंदशहर (सब का सपना):- जनपद के स्याना नगर में महात्मा ज्योतिबा फुले की जंयती के उपलक्ष्य में महालक्ष्मी हॉस्पिटल आई केयर एण्ड ट्रामा सेन्टर तथा डॉ बी आर अम्बेडकर जन्मोत्सव समिति के तत्वाधान में मुफ्त स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया गया। डॉ भीमराव अंबेडकर जन्मोत्सव समिति अध्यक्ष आशीष कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि शिविर में बड़ी संख्या में महिला-पुरुष नागरिकों ने स्वास्थ्य जांच कराई तथा कैंप का लाभ उठाया। बताया कि शनिवार को महात्मा ज्योतिबा फुले की जंयती के उपलक्ष्य मे यह कैंप स्थानीय अंबेडकर पार्क में आयोजित किया गया। मालूम हो कि डॉ भीमराव अंबेडकर जन्मोत्सव समिति के तत्वावधान में साप्ताहिक मेला कार्यक्रम चल रहा है, जिसकी कड़ी में कैंप का आयोजन किया गया। निःशुल्क स्वास्थ्य कैम्प में निःशुल्क नेत्र जाँच व इलाज, ईसीजी जाँच, मोतियाबिन्द जाँच, शुगर की जाँच, काले मोतियाबिन्द की जाँच कर बुजुर्गो को आँखो के चश्में दिए गए। रेटीना एंव कॉर्निया का परीक्षण भी सफलतापूर्वक किया गया। दवाईयों का वितरण चिकित्सकों की सलाह पर किया गया। स्याना के चांदपुर चुंगी स्थित अंबेडकर पार्क पर आयोजित फ्री हेल्थ कैंप का उद्घाटन डॉ राहुल (डायरेक्टर महालक्ष्मी हॉस्पिटल आई केयर एंड ट्रॉमा सेंटर) ने किया। उद्घाटन के दौरान डॉ शिवानी स्त्री रोग विशेषज्ञ, डॉ संदीप मलिक, डॉ कपिल वशिष्ठ , डॉ फैजल, डा हारिज, प्रिंस एवं सहयोगी स्टाफ मौजूद रहे। देवानंद गौतम, डॉ बी आर अंबेडकर जन्मोत्सव समिति के अध्यक्ष आशीष कुमार, पंकज विमल, पूर्व चेयरमैन प्रत्याशी जयप्रकाश सिंह, डॉ नितिन उर्फ गोलू, अंकुश कुमार, मास्टर हरकेश सिंह, रज्जन कुमार, संदीप कुमार, सुशील कुमार भी मौजूद रहे। इससे पूर्व रात्रि के दौरान संगीत संध्या आयोजित की गई जिसका बड़ी संख्या में नागरिकों ने आनंद उठाया। रात्रि संगीत संध्या कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व सभासद बिजेंद्र कुमार उर्फ बंटी रहे। एडवोकेट दुष्यंत नागर, डॉ संजय श्रोत्रिय सहित नगर के सर्व समाज के लोग मौजूद रहे।

खड्ड के पानी से युवक का संदिग्ध हालत में मिला शव, कार्रवाई कर रही पुलिस

श्री कीरतपुर साहिब (बाली): दोपहर बाद गांव नक्कियां से गांव दोलोवाल अपर जाने वाली लिंक सड़क के पास गांव दोलोवाल लोअर की खड्ड के पानी से एक युवक का संदिग्ध हालत में शव थाना श्री कीरतपुर साहिब की पुलिस द्वारा बरामद किया गया। पुलिस ने शव को पानी से बाहर निकाल कर सिविल अस्पताल श्री आनंदपुर साहिब के मोर्चरी में पोस्टमार्टम के लिए रखवा दिया है और आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

इस संबंध में गांव दोलोवाल लोअर के सरपंच एडवोकेट बिक्रम ठाकुर ने थाना श्री कीरतपुर साहिब की पुलिस और स्थानीय पत्रकारों को जानकारी दी। उन्होंने बताया कि गांव का एक व्यक्ति जब अपनी भैंसें खड्ड में चरा रहा था, तो उसने पानी में मुंह के बल पड़ा शव देखा और डरकर घर भाग गया तथा गांव के लोगों को सूचित किया। उन्होंने बताया कि शव का मुंह पानी की ओर होने के कारण पहले यह भ्रम बना रहा कि यह किसी महिला का शव हो सकता है। शव के पास एक लावारिस हालत में मोटरसाइकिल नंबर पीबी 16 जी 3257 भी खड़ी थी।सूचना मिलने पर थाना श्री कीरतपुर साहिब के एस.एच.ओ. इंस्पैक्टर राहुल शर्मा पुलिस पार्टी सहित मौके पर पहुंचे और उच्च अधिकारियों को सूचित किया।

इसके बाद रूपनगर से फोरेंसिक टीम को भी बुलाया गया। इस दौरान श्री आनंदपुर साहिब के डीएसपी जशनदीप सिंह मान भी मौके पर पहुंचे।फोरेंसिक टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू की, विभिन्न स्थानों की तस्वीरें लीं और मोटरसाइकिल की भी जांच की। जब स्थानीय युवकों की मदद से शव को पानी से बाहर निकाला गया, तो पता चला कि यह किसी महिला का नहीं बल्कि एक युवक का शव है। मृतक की पहचान दिलशेर सिंह उर्फ शैरी पुत्र बलदेव सिंह, निवासी गांव दबूड़ लोअर के रूप में हुई है। मृतक के पिता की पहले ही मृत्यु हो चुकी है और उसकी माता हरभजन कौर एक सेवानिवृत्त अध्यापिका हैं। युवक का विवाह गांव भरतगढ़ में हुआ था और उसकी दो बेटियां हैं। उसकी पत्नी श्री आनंदपुर साहिब में प्राइवेट नौकरी करती है। पुलिस को युवक की जेब से एक बटन वाला फोन और एक स्मार्टफोन मिला है। इसके अलावा मौके से बीड़ियों का बंडल, जर्दे की पुड़िया, एक लाइटर और एक सिरिंज भी बरामद हुई है, जिन्हें जांच के लिए कब्जे में लिया गया है।

मन की साधना

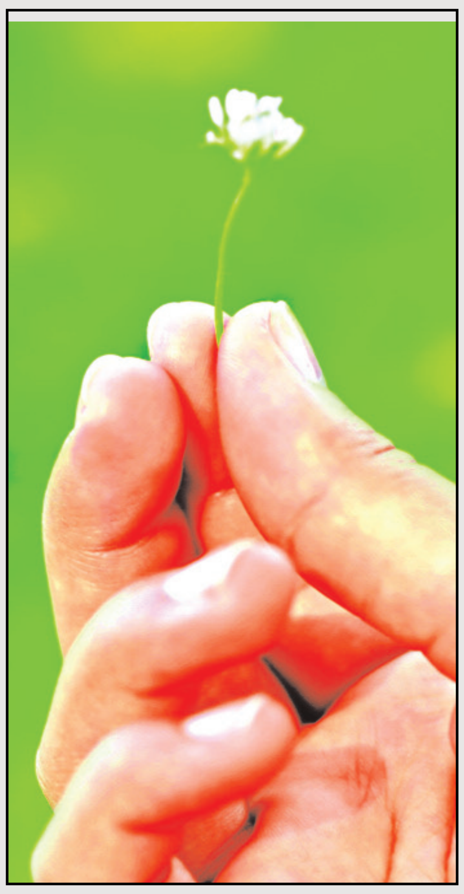

चतुर्मास का समय निकट आया तो भिक्षु सुशांत ने बुद्ध से आग्रह किया प्रभु, मैं नगरवधू सोमलता के सान्निध्य में अपना चतुर्मास व्यतीत करना चाहता हूं। कृपया इसकी आज्ञा प्रदान करें। यह सुनकर बुद्ध मुस्कराए। वह समझ गए कि यह वहां जाकर मन को साधकर सच्चा साधक होना चाहता है, लेकिन अन्य भिक्षुओं ने इस पर आपत्ति जताई। उन्हें संदेह था कि सुशांत कहीं अपने पथ से विचलित न हो जाए, पर बुद्ध ने भिक्षुओं के विरोध के बावजूद उसे आशीर्वाद देते हुए कहा, जाओ और आगे बढ़कर आना। सुशांत सोमलता के पास पहुंचा। वहां सब उसे देखकर आश्चर्यचकित रह गए। लेकिन सुशांत अपने संकल्प पर अडिग था।

इधर सोमलता के घुंघरुओं की आवाज गूंजती और उधर सुशांत अपनी साधना में लीन रहता। सोमलता सुशांत को रिझाने का प्रयास करती, मगर वह निर्लिप्त रहता। एक मास गुजर गया मगर सोमलता सुशांत को डिगा न सकी। हां, उससे थोड़ी सहानुभूति अवश्य होने लगी। उसने दूसरों को भी साधना के क्षणों में शांत रहने को कह दिया। चौथा मास आते-आते सुशांत ने अपने मन पर नियंत्रण पा लिया था। वह सोमलता या अन्य सुंदरियों की ओर आंख उठाकर भी नहीं देखता था। संगीत उसे बुद्ध-वाणी की तरह लगता था और नृत्यालय देवालय की तरह। चार मास पूर्ण हुए और सुशांत अपने मठ की ओर वापस चला तो सबने आश्चर्य से देखा-भिक्षुणी बनी सोमलता उसके पीछे-पीछे अपना सर्वस्व त्याग कर जा रही थी। सोमलता अपने रूप-रंग से सुशांत को रिझा न सकी, मगर सुशांत के तप का प्रभाव सोमलता पर दिख रहा था। सुशांत वास्तव में आगे बढ़ गया था।

भाग्य और पुरुषार्थ

राजा विक्रमादित्य के दरबार में कई ज्योतिषी थे। मगर वह कोई काम शुभ लग्न देख कर या ज्योतिषी की सलाह लेकर नहीं करते थे। एक दिन राज ज्योतिषी उनके पास आए और बोले, महाराज, आप के दरबार में कई ज्योतिषी हैं। आप की तरफ से उन्हें सभी सुविधाएं मिली हुई हैं, पर आप कभी हमारी सेवाएं नहीं लेते। आज मैं आप की हस्तरेखा देख कर यह जानना चाहता हूं कि आप ऐसा क्यों करते हैं?

राजा ने कहा, मेरे पास इतना समय नहीं रहता कि मैं आप लोगों से सलाह ले सकूं। जहां तक हस्तरेखा की बात है तो मैं इसमें विश्वास नहीं रखता। लेकिन आप कह रहे हैं तो देख लीजिए। हाथ देख कर राज ज्योतिषी चक्कर में पड़ गए। उनकी आवाज बंद हो गई। राजा ने पूछा, क्या हुआ। आप इतने परेशान क्यों हैं? राज ज्योतिषी ने कहा, राजन्, आप की हस्तरेखाएं तो कुछ और कहती हैं। ज्योतिष के अनुसार आप को तो दुर्बल और दीनहीन होना चाहिए था। लेकिन आप तो इसके विपरीत हैं। हजारों साल से ज्योतिष विद्या पर विश्वास करने वाले लोग आपकी रेखाएं देख कर भ्रमित हो जाएंगे। समझ में नहीं आ रहा कि ज्योतिष को सच मानूं या आप की रेखाओं को। विक्रमादित्य ने कहा, अभी तो आप ने मेरे बाहरी लक्षणों को ही देखा है, अब आप हमारे अंदर झांक कर देखिए। इतना कह कर राजा ने तलवार की नोक अपने सीने में लगा दी। राज ज्योतिषी घबरा कर बोले, बस महाराज, रहने दीजिए।

राजा ने कहा- ज्योतिषी महाराज, आप परेशान मत हों। ज्योतिष विद्या भी तभी सार्थक सिद्ध होती है, जब मनुष्य में कुछ करने का संकल्प हो। हस्तरेखाएं तो भाग्य नहीं बदल सकतीं, लेकिन मनुष्य में यदि पुरुषार्थ है, अभाग्य से लड़ने की शक्ति है तो उसकी नकारात्मक रेखाएं भी अपने रूप बदल सकती हैं। लगता है मेरे साथ ऐसा ही हुआ है। राज ज्योतिषी अवाक हो गए।

गीता डॉक्टर की भांति है। बस फर्क इतना ही है कि डॉक्टर शरीर के रोगों का इलाज करता है, जबकि गीता मन के रोगों का इलाज करती है और उन्हें दूर करने का मार्ग दिखाती है।

गीता में है जीवन का ज्ञान

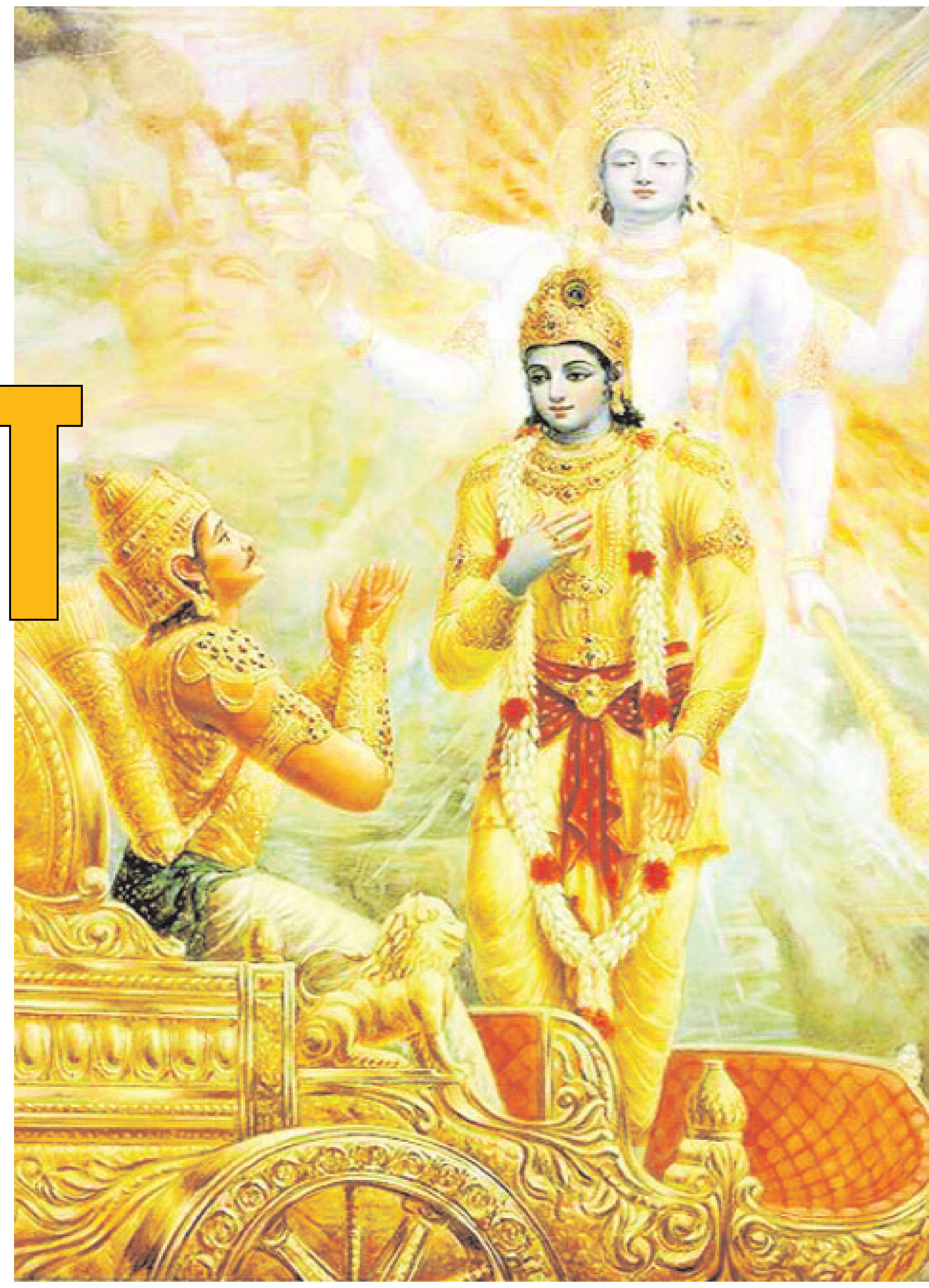

गीता का उपदेश जीवन की धारा है। चूंकि गीता में जीवन की सच्चाई छिपी है और इसमें जीवन में आने वाली दुश्वारियों के कारण व निवारण दोनों को ही विस्तार से समझाया गया है। इसलिए गीता के उपदेश विश्व भर में प्रसिद्ध हैं और हर वर्ग को प्रभावित करते हैं।

गीता डॉक्टर की भांति है। बस फर्क इतना ही है कि डॉक्टर शरीर के रोगों का इलाज करता है, जबकि गीता मन के रोगों का इलाज करती है और उन्हें दूर करने का मार्ग दिखाती है। जिस प्रकार डॉक्टर रोगी को रोग के निवारण के साथ-साथ उसके कारण भी बताता है। ठीक उसी प्रकार से गीता का अगर गहनता से अध्ययन किया जाए तो इससे मन के रोगों का कारण और निवारण दोनों का पता चल जाता है। गीता मन के रोगों को दूर करने का एक सशक्त माध्यम है।

गीता ज्ञान से मानव जीवन में मोह को भी आसानी से दूर किया जा सकता है। मोह जीवन लीला को धीरे-धीरे नष्ट कर देता है। जीवन में दुखों का सबसे बड़ा कारण मोह ही है। जीवन को अगर सफल बनाना है और मोह से मुक्ति पानी है तो गीता की शरण में जाना पड़ेगा। गीता से ज्ञान पा कर मानव मोक्ष को प्राप्त कर सकता है। गीता का ज्ञान मनुष्य को उसकी आत्मा के अमर होने के विषय में बोध करवा कर अपने कर्तव्य कर्म को पूर्ण निष्ठा से करने को प्रेरित करता है। परमात्मा ने मनुष्य को देह केवल भोग के लिए प्रदान नहीं की है, अपितु हमें इसका उपयोग मोक्ष प्राप्ति के लिए करना चाहिए।

साधू व नदी कभी एक स्थान पर नहीं रुकते और निरंतर आगे बढ़ते हुए विभिन्न स्थानों पर जन-जन के हृदयों में अपने ज्ञान व भक्ति के प्रभाव से उन्हें लाभांवित व आनंदित करते हैं। प्रत्येक मानव को पूरी श्रद्धा व निष्ठा से पर-उपकार के लिए तैयार रहना चाहिए और अपने ज्ञान से जगत को प्रकाश मान करने का प्रयास करते रहना चाहिए, असल में यही मानव धर्म है।

अगर श्रीमद्भगवद् गीता का अध्ययन नित्य करें, तो इस बात का आभास सहजता से होता है कि उसमें सिखाया कुछ नहीं गया है, बल्कि समझाया गया कि इस संसार का स्वरूप क्या है? उसमें यह कहीं नहीं कहा गया कि आप इस तरह चलें या उस तरह चलें, बल्कि यह बताया गया है कि किस तरह की चाल से आप किस तरह की छवि बनाएंगे? उसे पढ़कर मनुष्य कोई नया भाव नहीं सीखता, बल्कि संपूर्ण जीवन सहजता से व्यतीत करने के मार्ग पर चल पड़ता है।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि उसमें एक वैज्ञानिक सूत्र है कि 'गुण ही गुणों को बरतते हैं।' इसका मतलब यह है कि जैसे संकल्पों, विचारों तथा कर्मों से आदमी बंधा है, वैसा ही वह व्यवहार करेगा। उस पर खाने-पीने और रहने के कारण अच्छे तथा बुरे प्रभाव होंगे। सीधी बात यह है कि अगर आप यह चाहते हैं कि अपने ज्ञान के आईने में आप स्वयं को अच्छे लगें तो अपने संकल्प, विचारों तथा कर्मों में स्वच्छता के साथ अपनी खान-पान की आदतों तथा रहन-सहन के स्थान का चयन करना पड़ेगा।

अगर आप आने अंदर दोष देखते हैं तो विचलित होने की बजाय यह जानने का प्रयास करें कि आखिर वह किसी बुरे पदार्थ के ग्रहण करने या किसी व्यक्ति की संगत के परिणाम से आया है। जैसे ही आप गीता का अध्ययन करेंगे, आपको अपने अंदर भी ढेर सारे दोष दिखाई देंगे और उन्हें दूर करने का मार्ग भी पता लगेगा।

गीता किसी को प्रेम करना, अहिंसा में लिप्त होना नहीं सिखाती, बल्कि प्रेम और अहिंसा का भाव अंदर कैसे पैदा हो, यह समझाती है। सिखाने से प्रेम या अहिंसा का भाव नहीं पैदा होगा, बल्कि वैसे तत्वों से संपर्क रखकर ही ऐसा करना संभव है। कोई दूसरे को प्रेम नहीं सिखा सकता, क्योंकि जिस व्यक्ति का घृणा पैदा करने वाले तत्वों से संबंध है, उसमें प्रेम कहां से पैदा होगा?

श्रीमद्भगवद् गीता में चार प्रकार के भक्त बताए गए हैं। भगवान की भक्ति होती है तो जीव से प्रेम होता है। अतः भक्ति की तरह प्रेम करने वाले भी चार प्रकार के होते हैं-आर्ती, अर्थार्थी, जिज्ञासु तथा ज्ञानी। पहले बाकी तीन का प्रेम क्षणिक होता है जबकि ज्ञान का प्रेम हमेशा ही बना रहता है। अगर आपके पास तत्व ज्ञान है तो आप अपने पास प्रेम व्यक्त करने वालों की पहचान कर सकते हैं, नहीं तो कोई भी आपको हांक कर ले जाएगा और धोखा देगा।

जीवन का आधार है आध्यात्मिक ऊर्जा

ऊर्जा एक ऐसी अदृश्य शक्ति है, जिसे हम देख नहीं सकते, बल्कि उसका अनुभव कर सकते हैं। यही ऊर्जा हमारे जीवन का आधार है।

विज्ञान की भाषा

विज्ञान इन अदृश्य शक्तियों को एनर्जी कहता है। उदाहरण के लिए बिजली से बल्ब जलता है, पंखे चलते हैं, लेकिन हम बिजली को कभी नहीं देख पाते हैं। हम उसका न केवल कार्य, बल्कि परिणाम भी देखते हैं। उसके स्वरूप के बारे में जान पाना कठिन है। ठीक उसी प्रकार प्रत्येक जीव में ऊर्जा मौजूद होती है, जिससे जीव में प्राण-शक्ति का संचार होता रहता है। दूसरे शब्दों में कहें, तो इस प्राण-शक्ति को हम देख नहीं पाते हैं।

संसार के सभी प्राणियों में ऊर्जा मौजूद है। वास्तव में यह ऊर्जा हमारे जीवन का आधार है। इसे हम अणु, परमाणु, एनर्जी आदि नामों से जानते हैं। यानी अपनी सुविधा के अनुसार, हम ऊर्जा को अलग-अलग नाम दे देते हैं। यह एक ऐसी अदृश्य शक्ति है, जिसका हम केवल अनुभव ही कर सकते हैं, देख नहीं सकते। हम अपनी आंखों से तो पृथ्वी पर मौजूद सभी पदार्थों को देख लेते हैं, लेकिन ऊर्जा को देख पाना हमारे लिए संभव ही नहीं हो पाता है। लेकिन उन्हें महसूस जरूर कर सकते हैं। लेकिन फिर भी इन अदृश्य शक्तियों के अस्तित्व को अस्वीकार कर पाना हमारे लिए असंभव होता है।

ऊर्जा और अध्यात्म का संबंध

अध्यात्म की भाषा में ऊर्जा को न केवल प्राण-वायु या आत्मा कहा जाता है, बल्कि जीव को ईश्वर का अंश भी माना जाता है। यह ऊर्जा ही है, जो सभी जीवों को जिंदा रखने में मदद करता है। हम देखते हैं कि अदृश्य शक्ति, यानी ऊर्जा के सहारे हमारे शरीर के सभी अंग सुचारू रूप से काम करते हैं। जैसे ही वह अदृश्य-शक्ति की लोप होती है, हमारे शरीर की सभी क्रियाएं बंद हो जाती हैं। शरीर के सभी अंग-आंख, नाक, कान, यहां तक कि इंद्रियां भी काम करना बंद कर देती हैं और शरीर निष्क्रिय हो जाता है।

हम यह सोचने के लिए मजबूर हो जाते हैं कि आखिर वह कौन सी शक्ति है, जो हमारे अंगों को संचालित करती है? आज का विज्ञान भले ही चांद, तारों और ग्रहों के बारे में हमें जानकारी देता हो, लेकिन आज भी इस अदृश्य-शक्ति को समझने की क्षमता अभी तक विज्ञान के पास नहीं है। शायद इसलिए कहा जाता है कि जहां विज्ञान की सीमा समाप्त हो जाती है, वहीं से महा विज्ञान शुरू हो जाता है। वास्तव में यह महाविज्ञान अध्यात्म है, जीवन दर्शन है। हमारा जीवन-दर्शन न केवल जीवन के अनुभवों के बारे में बताता है, बल्कि जीवन के रहस्यों को भी समझने का प्रयास करता है। यही वजह है कि इसकी पढ़ाई विद्यालयों या महाविद्यालयों में नहीं होती है। ऋषि-मुनियों ने वर्षों पूर्व ऐसे ही रहस्यों को समझने की कोशिश की थी। यदि इस रहस्य को समझने की स्थिति में जीव आ जाता है, तो उसे जीवन-शक्ति का अनुभव भी होने लगता है।

जीवन-शक्ति का अनुभव प्राप्त करने के लिए हमे सबसे पहले ऊर्जा के अदृश्य स्वरूप का अनुभव प्राप्त करना पड़ेगा, क्योंकि जैसा कि हम सभी जानते हैं कि जीवन-शक्ति का केवल अनुभव किया जा सकता है, देखा या परखा नहीं जा सकता है। हमारी आंखें देखती हैं, कान सुनता है, लेकिन इस देखने और सुनने की प्रक्रिया को हम केवल अनुभव कर सकते हैं। यदि हम अपने अनुभवों को न केवल अपने अंतर्मन में उतार लेते हैं, बल्कि इस प्रक्रिया के आदी भी हो जाते हैं, तो इसे ही साधना कहा जाता है। यह साधना ही है, जिसके माध्यम से व्यक्ति अपने जीवन-शक्ति का अनुभव करने लगता है। इसके लिए हमें आत्म-केंद्रित होना अति आवश्यक होता है।

स्पोर्ट्स थ्रिलर 'ग्लोरी' में बॉक्सिंग करते नजर आएंगे पुलकित सम्राट

पुलकित सम्राट और दिव्येंदु शर्मा स्टारर स्पोर्ट्स थ्रिलर 'ग्लोरी' का टीजर सामने आया है। रोमांस छोड़कर इस बार पुलकित बॉक्सिंग करते नजर आएंगे। टीजर को देखने के बाद फैंस इस सीरीज के लिए और पुलकित सम्राट को इस अंदाज में देखने के लिए काफी उत्सुक हैं।
हरियाणा की ब्रूटल और इमोशनली चार्ज बॉक्सिंग की दुनिया पर आधारित 'ग्लोरी' का टीजर पारंपरिक स्पोर्ट्स ड्रामा से इतर एक जटिल कहानी की ओर इशारा करता है। इसमें बदला, महत्वाकांक्षा और टूटे हुए रिश्ते आपस में टकराते हैं। 1 मिनट 11 सेकंड के इस टीजर में बॉक्सिंग, मर्डर, सस्पेंस, पॉवर और थ्रिलर देखने को मिलता है। टीजर में त्याग, बलिदान और कष्ट की बात की जाती है।

1 मई से नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम करेगी सीरीज

करण अंशुमन और कनिष्क वर्मा द्वारा निर्देशित 'ग्लोरी' में दिव्येंदु शर्मा और पुलकित सम्राट प्रमुख भूमिका में नजर आएंगे। इसके अलावा सीरीज में 'धुरंधर' फेम सुविंदर विक्की, आशुतोष राणा, यशपाल शर्मा और सिकंदर खेर भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। एटॉमिक फिल्म्स के तहत निर्मित 'ग्लोरी' 1 मई से ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम करेगी।

पुलकित और दिव्येंदु के लिए महत्वपूर्ण है 'ग्लोरी'

पुलकित सम्राट और दिव्येंदु शर्मा के लिए 'ग्लोरी' काफी अहम है, क्योंकि दोनों को अपने करियर में एक बड़ी सफलता की जरूरत है। पुलकित सम्राट के वर्कफ्रंट की बात करें तो वो आखिरी बार 'राहु केतु' में नजर आए थे। जबकि दिव्येंदु शर्मा आखिरी बार पिछले साल रिलीज हुई 'साली मोहब्बत' में नजर आए थे। उनकी आगामी फिल्म में राम चरण की पैन इंडिया फिल्म 'पेद्दी' भी शामिल है।

क्या फिल्में छोड़कर बिजनेसमैन से शादी करने वाली हैं तृषा कृष्णन?

तृषा कृष्णन बीते कई दिनों से सुर्खियों में हैं। हाल ही में वे थलापति विजय के साथ चैन्नई में एक वेडिंग रिसेप्शन में शामिल हुईं थीं। इसके बाद से ही दोनों के डेटिंग की चर्चाएं चल रही हैं। इस बीच ये रिपोर्ट्स भी सामने आ रही थीं कि एक्ट्रेस अब फिल्में छोड़कर एक अमीर बिजनेसमैन के साथ शादी करने वाली हैं। जिसके बाद अब इन रिपोर्ट्स का रिसपॉन्स देते हुए तृषा ने एक पोस्ट शेयर किया है।

स्टोरी के जरिए दिया जवाब

तृषा कृष्णन ने हाल ही में सोशल मीडिया पर चल रही अफवाहों पर जोरदार जवाब दिया है। खबरें आ रही थीं कि वो जल्द ही फिल्मों से रिटायर होने वाली हैं और नए प्रोजेक्ट्स साइन नहीं कर रहीं, लेकिन तृषा ने इन सबको पूरी तरह गलत बताया। तृषा ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर तंज कसते हुए लिखा, 'सुना है मैंने फिल्में छोड़ दी हैं, किसी अमीर बिजनेसमैन से शादी कर ली है और 4 बच्चों की मां भी बन गई हूं, जो कल ही 2 साल के हो गए! कुछ और जोड़ना है या आज की सारी मनगढ़ंत कहानियां यहीं खत्म हो गईं?' इसका मतलब जो भी रिपोर्ट्स सामने आ रहीं थीं, वो सारी गलत थीं।
विजय के साथ जोड़ा जा रहा नाम बता दें कि बीते कुछ दिनों से विजय और तृषा के बीच रिलेशनशिप में होने की अफवाहें चल रही हैं। ये इस वजह से भी हो रहा है कि विजय की पत्नी संगीता ने उन्हें तलाक देने की बात कही थी और किसी एक्ट्रेस के साथ अवैध संबंध का जिक्र किया था। इसके बाद से ही इस मामले में तृषा का नाम घसीटा जाने लगा।

तृषा का वर्कफ्रंट

वर्कफ्रंट की बात करें तो तृषा जल्द ही 'करुप्पु' में नजर आएंगी, जिसमें उनके साथ सूर्या लीड रोल में हैं। फिलहाल, तृषा ने साफ कर दिया है कि वो न तो रिटायर हो रही हैं और न ही इन अफवाहों का उन पर कोई असर है।

एक्शन फिल्म 'एंटनी' में नजर आने वाले हैं सनी देओल

'बॉर्डर 2' जैसी दमदार फिल्म की सफलता के बाद सनी देओल अगली फिल्म की तैयारियों में लग चुके हैं। वे फिलहाल इस फिल्म की शूटिंग में व्यस्त हैं। उन्होंने मुंबई का शूटिंग शेड्यूल पूरा कर लिया है और अब वे गोआ में बचे हुए सीन शूट करेंगे। इस फिल्म में उनके साथ कुछ और खास कलाकार शामिल होंगे।
फिल्म की कहानी गोवा में फैले एक क्राइम सिंडिकेट के इर्द-गिर्द घूमती है। इसमें सनी देओल एक पुलिस ऑफिसर के रोल में नजर आएंगे, जो इस गैंग को खत्म करने की कोशिश करता है। इसलिए फिल्म के सबसे बड़े एक्शन सीन भी यहीं प्लान किए गए हैं।
बॉलीवुड एक्टर सनी देओल 'एंटनी' फिल्म में नजर आने वाले हैं। ये एक एक्शन फिल्म होगी। फिल्म में सनी देओल के साथ ज्योतिका और विजय वर्मा भी अहम भूमिकाओं में दिखाई देंगे, जिसमें विजय वर्मा विलेन का किरदार निभा रहे हैं। 'एंटनी' खास इसलिए भी है क्योंकि यह पहली बार है जब प्रोड्यूसर फरहान अख्तर और रितेश सिधवानी सनी देओल के साथ काम कर रहे हैं। बता दें कि उन्होंने फिल्म के लिए मुंबई शेड्यूल पूरा कर लिया है। अब वह अगले शेड्यूल के लिए गोवा जा रहे हैं, जहां वह डायरेक्टर बालाजी गणेश के निर्देशन में जबरदस्त एक्शन सीन शूट करेंगे। रिपोर्ट के मुताबिक, गोवा में लगभग एक महीने का लंबा शेड्यूल होगा, जो फिल्म के लिए बेहद अहम माना जा रहा है। यहां फिल्म के बड़े-बड़े एक्शन सीक्वेंस शूट किए जाएंगे, जो कहानी का महत्वपूर्ण हिस्सा होंगे।

फिल्म में होंगे दमदार एक्शन सीन

एक बड़े एक्शन सीन में तेज रफ्तार से गाड़ियों का पीछा करना दिखाया जाएगा, जो गोवा की सड़कों पर शूट होगा। इसके बाद समुद्र किनारे जोरदार फाइट सीन भी देखने को मिलेगा। सूत्रों के मुताबिक बताया कि टीम एक नाइट शूट की भी तैयारी कर रही है, जिसमें धमाके और खतरनाक स्टंट्स होंगे। खास बात यह है कि सनी देओल इन एक्शन सीन का बड़ा हिस्सा खुद करते नजर आएंगे।

क्या बॉयफ्रेंड ऋषभ से अलग हुई सान्या मल्होत्रा?

पिछले काफी वक्त से फैंस सान्या मल्होत्रा के पार्टनर के बारे में जानना चाहते थे। फिर अचानक एक दिन सान्या, मशहूर सितारवादक ऋषभ रिखीराम शर्मा के साथ दिखाई दीं। इसके बाद से फैंस उम्मीद कर रहे थे कि शायद दोनों में से कोई अपने रिश्ते पर मुहर लगाएगा। मगर अब खबरें सामने आ रही हैं कि कपल अलग हो चुका है। रिपोर्ट्स की मानें तो सान्या और ऋषभ का रिश्ता काफी गुपचुप रहा। न दोनों ने अपने कोई खास पल फैंस के साथ साझा किए और न ही कभी एक-दूसरे के बारे में कुछ कहा। एक रिपोर्ट के मुताबिक दोनों ने साल 2025 की शुरूआत में एक-दूसरे को डेट करना शुरू किया था। मगर अब दोनों ने ब्रेकअप कर लिया।

बिना शोर-शराबे के अलग हुए

खास बात यह है कि जिस तरह दोनों चुपचाप रिलेशनशिप में रहे। ठीक वैसे ही बेहद गुप चुप तरीके से दोनों ने अलग होने का फैसला भी किया। अब दोनों ने एक-दूसरे को सोशल मीडिया पर अनफॉलो भी कर दिया। खबरें तो यहां तक हैं कि ऋषभ ने सान्या को छोड़कर किसी और को डेट करना तक शुरू कर दिया है। मगर अब तक उन्होंने इसपर कुछ भी आधिकारिक रूप से नहीं कहा है।

अब 'कंटेंट ड्रिवन' एक्शन फिल्मों पर दांव लगा रहे हैं टाइगर श्रॉफ

हिंदी सिनेमा के 'एक्शन आइकन' कहे जाने वाला टाइगर श्रॉफ अपने करियर के सबसे अहम मोड़ पर खड़े हैं। 'गणपत' और 'बड़े मियां छोटे मियां' के उम्मीद से कम प्रदर्शन के बाद टाइगर ने अब अपनी रणनीति बदल दी है। अब वह सिर्फ स्टंट और फिटनेस के दम पर नहीं, बल्कि 'कंटेंट ड्रिवन' एक्शन फिल्मों पर दांव लगा रहे हैं। टाइगर ने अपनी अगली फिल्म के लिए कन्नड़ निर्देशक सचिन रवि के साथ हाथ मिलाया है, जो 'अवाने श्रीमन्नारायण' जैसी तकनीकी रूप से मजबूत फिल्म के लिए जाने जाते हैं।

टाइगर ने अपनी फीस कम की

टाइगर की फिल्मों में अब विलेन और कास्टिंग पर खास ध्यान दिया जा रहा है। साउथ से शिवा राजकुमार या उपेंद्र जैसे साउथ स्टार्स को लाने की तैयारी है, जबकि 'वज्र' में जयदीप अहलावत या के के मेनन जैसे दिमाग से खेलने वाले विलेन पर विचार हो रहा है। साथ ही खबर है कि टाइगर ने अपनी फीस में भी कटौती की है, ताकि फिल्मों का बजट संतुलित रहे और ओटीटी-सैटेलाइट डील के जरिए पहले ही 50% रिकवरी सुनिश्चित हो सके।

'रैम्बो' और 'वज्र' से लेंगे बड़े रिस्क और नए जोनर में एंट्री

टाइगर के लाइनअप में 'रैम्बो' सबसे बड़ा प्रोजेक्ट है, जिसका बजट 200 करोड़ रुपए से अधिक बताया जा रहा है। यह सिर्फ रीमेक नहीं, बल्कि भारतीय परिवेश में री-इमेजिन की गई फिल्म होगी, जिसकी शूटिंग लद्दाख, जॉर्जिया और आइसलैंड में होगी। वहीं राम माधवानी के साथ 'वज्र' को एक 'ग्रैंड स्केल स्पिरिचुअल एक्शन' फिल्म बताया जा रहा है, जिसमें भारतीय दर्शन का पुट होगा। इसकी शूटिंग ऋषिकेश, वाराणसी और नेपाल में की जाएगी। यह टाइगर के लिए एक ऐसा क्षेत्र है जहां उन्होंने पहले कभी हाथ नहीं आजमाया।

'बागी 5' को रीबूट करने की तैयारी में हैं साजिद नाडियाडवाला

फिल्म समीक्षकों का तर्क है कि दर्शक अब केवल टाइगर के सिक्स पैक एब्स देखने के लिए थिएटर नहीं आते। वहीं 'बागी 4' की असफलता के बाद साजिद नाडियाडवाला अब दक्षिण भारतीय निर्देशक ए. हर्षा के साथ मिलकर 'बागी 5' को पूरी तरह रीबूट करने की तैयारी में हैं।

अवॉर्ड कंट्रोवर्सी पर राजपाल यादव ने तोड़ी चुप्पी

अभिनेता और कॉमेडियन राजपाल यादव इन दिनों अक्षय कुमार की फिल्म 'भूत बंगला' को लेकर सुर्खियों में हैं। इस बीच बीते दिनों उन्होंने एक अवॉर्ड शो में हिस्सा लिया। यहां जाकिर खान और सौरभ द्विवेदी बतौर होस्ट मौजूद थे। इसी दौरान कथित तौर पर होस्ट ने राजपाल यादव का मजाक उड़ाने वाली टिप्पणी की। इसे लेकर सोशल मीडिया पर राजपाल यादव के फैंस के बीच नाराजगी देखी जा रही है, जिस पर खुद एक्टर ने चुप्पी तोड़ी है। साथ ही फैंस से एक अपील की है।

राजपाल यादव ने क्या कहा?

एक इवेंट में होस्ट ने डॉलर और रुपये पर बात करते हुए राजपाल यादव से कहा था, 'डॉलर या रुपया कितना भी ऊपर-नीचे हो, आपको कर्ज तो उतना ही देना है, जितना बाकी है'। इस दौरान राजपाल यादव ने हंसते हुए रिएक्शन दिया था और कोई नाराजगी जाहिर नहीं की थी। मगर, राजपाल यादव के फैंस को यह बात बुरी लगी और सोशल मीडिया पर इस विषय पर विरोध किया जाने लगा।

फैंस से की ट्रोल न करने की अपील

मालमा बढ़ता देख राजपाल यादव ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर किया है। इसमें उन्होंने फैंस से अपील की है कि दोनों होस्ट को कुछ न कहा जाए। एक्टर ने कहा है, 'दुनिया में युद्ध है, इकोनॉमी है, सब ऊपर-नीचे चल रहा है। इसमें आम आदमी को पिसना पड़ता है। उसी के हिसाब से स्क्रिप्ट बनाने का प्रयास किया। फिल्मों में भी कभी-कभी ऐसी स्क्रिप्ट बनाने का प्रयास होता है, लेकिन वह सही तरीके से ऑडियंस तक नहीं पहुंचता'।

जाकिर खान बोले- 'लव यू भाई'

राजपाल ने आगे जाकिर खान और सौरभ द्विवेदी को अपना जिगरी दोस्त बताते हुए लिखा है कि उनका दिल मत दुखाइए। वे दोनों मेरे छोटे भाई जैसे हैं। उन्होंने हमेशा सम्मान किया है। व्यर्थ में इनकी निंदा करके दिल मत दुखाइए। इनका दिल दुखाने से मेरा दिल दुखेगा। राजपाल यादव के इस पोस्ट पर जाकिर खान और सौरभ ने भी टिप्पणी की है और एक्टर का आभार जताया है।

क्या है मामला?

राजपाल यादव चेक बाउंस से जुड़े एक मामले को लेकर काफी समय से सुर्खियों में हैं। उन्होंने एक फिल्म के निर्माण के लिए गए लोन लिया था। इसे वे चुका नहीं पाए। उन्होंने कंपनी को जो चेक दिए थे कथित तौर पर वे भी बाउंस हो गए थे। बीते दिनों अभिनेता ने तिहाड़ जेल में आत्मसमर्पण किया था। बाद में वे अंतरिम जमानत पर बाहर आ गए थे।

रजनीकांत ने पूरी की 'जेलर 2' की शूटिंग

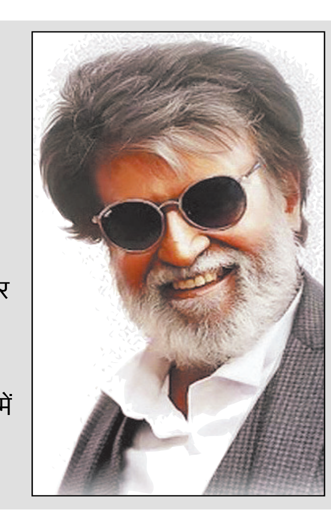

रजनीकांत की 'जेलर 2' लगातार चर्चाओं में बनी हुई है। फिल्म में इस बार कई कलाकार नजर आएंगे। अभिनेता ने अब फिल्म की आगे की जानकारी फैंस के साथ साझा कर दी है। साथ ही उन्होंने अपनी अगली फिल्म को लेकर भी अपडेट साझा की। दिग्गज अभिनेता रजनीकांत ने हाल ही में मीडिया से हुई बातचीत में फिल्म के बारे में चर्चा की। उनकी बहुप्रतीक्षित सीक्वल 'जेलर 2' की शूटिंग के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि फिल्म की शूटिंग पूरी हो चुकी है। अब फिल्म पोस्ट-प्रोडक्शन के अंतिम चरण में है।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।